सान्ध्य हिन्दी दैनिक जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 03 | अंक - 128 | जौनपुर, शुक्रवार, 27 दिसम्बर 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का निधन

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का गुरुवार को निधन हो गया है। तबीयत बिगड़ने के बाद देर शाम उन्हें दिल्ली के एम्स में भर्ती कराया गया है, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। वह 92 वर्ष के थे और लंबे समय से बीमार चल रहे थे। जानकारी के अनुसार साल 2006 में मनमोहन सिंह की दूसरी बार बाईपास सर्जरी हुई थी, जिसके बाद से वह काफी बीमार चल रहे थे। गुरुवार को उन्हें सांस लेने में तकलीफ और बेचौनी के बाद एम्स में भर्ती कराया गया था। उनका जन्म 26 सितम्बर 1932 को पश्चिमी पंजाब के गाह (अब पाकिस्तान) में हुआ था।

दो बार रहे देश के प्रधानमंत्री

साल 2004 से 2014 तक दो बार देश के प्रधानमंत्री रहे थे और भारत के बड़े अर्थशास्त्रियों में उनकी गिनती होती थी। उन्होंने चंडीगढ़ में पंजाब विश्वविद्यालय और ग्रेट ब्रिटेन में कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय में शिक्षा प्राप्त की थी। उन्होंने ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की थी। मनमोहन सिंह को हमेशा अपने सरल और शांत स्वभाव के लिए याद किया जाएगा।

वर्ष 2006 में हुई थी दोबारा बाइपास सर्जरी

जानकारी के अनुसार पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की 2006 में दोबारा बाइपास सर्जरी हुई थी। जिसके लिए मुंबई से स्पेशलिस्ट डॉक्टर रमाकांत पांडा को बुलाया गया था। इसके अलावा कोरोना काल में उन्हें कोविड भी हुआ था, जिसके बाद से उन्हें सांस लेने में भी काफी तकलीफ रहती थी। बताया जा रहा है कि गुरुवार को तकघ्रीबन आठ बजे उन्हें दिल्ली के एम्स इमरजेंसी में भर्ती कराया गया, जहां करीब आधे घंटे बाद उनका निधन हो गया। बता दें वे 1985 से 1987 तक भारतीय योजना आयोग के प्रमुख भी रहे थे।

युवाओं को सशक्त बनाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

नई दिल्ली,(एजेंसी) दिल्ली में वीर बाल दिवस समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि युवाओं को सशक्त बनाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि आज युवाओं को राष्ट्र के विकास से जुड़े हर क्षेत्र में अवसर मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम हर क्षेत्र में नए बदलाव और चुनौतियां देख सकते हैं, इसलिए हमें अपने युवाओं को भविष्य के लिए तैयार करने की जरूरत है। मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि आज हम तीसरे श्वीर बाल दिवसश का हिस्सा बन रहे हैं। तीन साल पहले हमारी सरकार ने वीर साहिबजादों के बलिदान की अमर स्मृति में श्वीर बाल दिवसश मानने शुरूआत की थी। अब ये दिन करोड़ों देशवासियों के लिए, पूरे देश के लिए राष्ट्रीय प्रेरणा का पर्व बना है। इस दिन ने भारत के कितने ही बच्चों और युवाओं को अदम्य साहस से भरने का काम किया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि साहिबजादों ने मुगल साम्राज्य के सभी प्रलोभनों को अस्वीकार कर दिया। उन्होंने हर अत्याचार सहा। जब वजीर खान ने उन्हें जिंदा ईंटों से मार देने का आदेश दिया, तो साहिबजादों ने बड़ी बहादुरी के साथ चुनौती स्वीकार कर ली। उन्होंने वजीर खान को

गुरु अर्जन देव, गुरु तेग बहादुर और गुरु गोबिंद सिंह की बहादुरी की याद दिलाई। उन्होंने मृत्यु को स्वीकार कर लिया, लेकिन आस्था के मार्ग से कभी नहीं डिगे। उन्होंने कहा कि गुरु परंपरा ने हमें, सभी को एक समान भाव से देखना सिखाया है और संविधान भी हमें इसी विचार की प्रेरणा देता है। नरेंद्र मोदी ने कहा कि वीर साहिबजादों का जीवन हमें देश की अखंडता और विचारों से कोई समझौता ना करने की सीख देता है और संविधान भी हमें भारत की प्रभुता और अखंडता को सर्वोपरि रखने का सिद्धांत देता है। हमारे लोकतंत्र की विराटता में गुरुओं की सीख है, साहिबजादों का त्याग है और देश की एकता का मूल मंत्र है। उन्होंने कहा कि इतिहास से वर्तमान तक, भारत की प्रगति में हमेशा युवा ऊर्जा की बड़ी भूमिका रही है। आजादी की लड़ाई से लेकर 21वीं सदी के जनांदोलनों तक, भारत के युवा ने हर क्रांति में अपना योगदान दिया है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि वीर बाल दिवस हमें प्रेरणाओं से भरता है और नए संकल्पों के लिए प्रेरित घ्करता है। मैंने लाल किले से कहा है कि अब बेस्ट ही हमारा स्टैंडर्ड होना चाहिए। मैं अपनी युवा शक्ति से कहूंगा कि वो जिस सेक्टर में हों उसे बेस्ट बनाने के लिए काम करें। उन्होंने कहा कि 26 दिसंबर का वो दिन, जब छोटी सी उम्र में हमारे साहिबजादों ने अपने प्राणों की आहुति दे दी। साहिबजादा जोरावर सिंह और साहिबजादा फतेह सिंह की आयु कम थी, लेकिन उनका हौसला आसमान से भी ऊंचा था।

अमित शाह के 'निधन' की फर्जी खबर पोस्ट करने के आरोप में व्यक्ति गिरफ्तार

नई दिल्ली,(एजेंसी) उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले के इंदिरापुरम इलाके में पुलिस ने एक व्यक्ति को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के 'निधन' के बारे में सोशल मीडिया पर फर्जी खबर पोस्ट करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि आरोपी की पहचान मुरादाबाद जिले के निवासी रोहित (34) के रूप में हुई है। अधिकारियों ने बताया कि आरोपी व्यक्ति को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पदाधिकारी अनिल शर्मा द्वारा शिकायत दर्ज कराये जाने के बाद गिरफ्तार किया गया। सहायक पुलिस आयुक्त (इंदिरापुरम) स्वतंत्र कुमार सिंह के अनुसार भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। उन्होंने बताया कि सूचना प्रौद्योगिकी (संशोधन) अधिनियम के प्रावधानों के तहत भी आरोप लगाए गए हैं। सिंह ने कहा, इंदिरापुरम पुलिस ने तुरंत कार्रवाई की और इलेक्ट्रॉनिक निगरानी की मदद से आरोपी को वसुंधरा कॉलोनी में हिंडन नदी बैराज के पास से गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि पूछताछ के दौरान, रोहित ने स्वीकार किया कि उसने अपने फेसबुक पेज के फॉलोअर बढ़ाने के लिए फर्जी खबर पोस्ट की थी। सिंह ने कहा कि उसके खिलाफ कानूनी कार्यवाही शुरू कर दी गई है।

कांग्रेस के पोस्टर में भारत का गलत नक्शा, कश्मीर को दिखाया पाकिस्तान का हिस्सा

नई दिल्ली,(एजेंसी) बेलगावी में स्थानीय कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विकृत भारतीय मानचित्र के साथ स्वागत फ्लेक्स और बैनर लगाने के बाद 1924 सत्र के कांग्रेस शताब्दी समारोह से पहले पार्टी को शर्मिंदा कर दिया है। बेलगावी शहर के प्रवेश द्वार पर जो बैनर और फ्लेक्स लगाए गए, उनमें भारत का विकृत नक्शा है, जहां पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) और अक्साई चिन क्षेत्र के हिस्से बैनर और स्वागत बोर्डों में इस्तेमाल किए गए नक्शे से गायब हैं। इसको लेकर भाजपा को कांग्रेस पर निशाना साधने का मौका मिल गया है। शहजाद पूनावाला ने कहा कि यह कांग्रेस की श्भारत तोड़ो, टुकड़े–टुकड़ेश मानसिकता है, जिस तरह से उन्होंने बेलगावी कार्यक्रम में विकृत नक्शे लगाए हैं, जहां वे जम्मू–कश्मीर को पाकिस्तान और चीन का हिस्सा दिखा रहे हैं, यह कुछ ऐसा है जो कांग्रेस ने समय पर किया है और फिर। पाकिस्तान के सुर में गाना और जम्मू–कश्मीर को पाकिस्तान को सौंपना कांग्रेस का एजेंडा रहा है और आज वह मानसिकता एक बार फिर उजागर हो गई है। पूर्व भाजपा विधायक संजय पाटिल ने कहा कि यह सच्ची कांग्रेस मानसिकता को दर्शाता है। उन्होंने कहा, श्यही कारण है कि कांग्रेस ने अनुच्छेद 370 को हटाने का समर्थन नहीं किया।श एक अन्य स्थानीय भाजपा नगरसेवक श्रेयस नकाडी ने नाराजगी जताते हुए कहा कि यह एक मजाक था। उन्होंने कहा, ष्भारत का ताज गायब है, यह अब भारत के बारे में महात्मा गांधी जी का दृष्टिकोण नहीं बल्कि सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी का संस्करण है। कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) महात्मा गांधी की अध्यक्षता में 1924 के भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस सत्र के शताब्दी समारोह को चिह्नित करने के लिए 26 और 27 दिसंबर को बेलगावी में दो दिवसीय कार्यक्रम आयोजित कर रही है। यह कांग्रेस का एकमात्र अधिवेशन था जिसकी अध्यक्षता महात्मा गांधी ने की। इस कार्यक्रम में कांग्रेस सांसद सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी शामिल होंगे।

संक्षिप्त समाचार

अदालत ने मानहानि की शिकायत पर आप नेता सौरभ भारद्वाज को नोटिस जारी किया

नई दिल्ली,(एजेंसी)। दिल्ली की एक अदालत ने आम आदमी पार्टी (आप) के नेता सौरभ भारद्वाज को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक कार्यकर्ता द्वारा दायर आपराधिक मानहानि के मामले में नोटिस जारी किया है। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट नेहा मित्तल ने 23 दिसंबर को पारित आदेश में भारद्वाज को नोटिस जारी किया, जिसमें उन्हें सूरजभान चौहान द्वारा दायर शिकायत के आधार पर नौ जनवरी, 2025 तक जवाब देने का निर्देश दिया गया है। अपनी शिकायत में चौहान ने आरोप लगाया कि भारद्वाज ने 2018 में प्रेस वार्ता में झूठा दावा करके उन्हें बदनाम किया था कि उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। न्यायाधीश ने शिकायतकर्ता को उसी मुद्दे पर पहले की शिकायत की प्रतिलिपि दाखिल करने का अंतिम अवसर भी दिया, जिसे एक अन्य अदालत ने खारिज कर दिया था।

वाजपेयी सभी राजनीतिक दलों के नेताओं के लिए मार्गदर्शक : लोकसभा अध्यक्ष

,नई दिल्ली,(एजेंसी)। लोकसभाध्यक्ष ओम बिरला ने बुधवार को यहां कहा कि संसद के माध्यम से लोगों के जीवन में बदलाव लाने के लिए पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के प्रयास सभी नेताओं के लिए मार्गदर्शक हैं। बिरला ने वाजपेयी की जन्म शताब्दी पर आयोजित एक समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री ने सामाजिक और राजनीतिक जीवन में उच्च मानदंड स्थापित किए और देश की सामूहिक चेतना पर अपनी अमिट छाप छोड़ी। बिरला ने कहा कि सभी राजनीतिक दलों के सदस्यों के लिए वाजपेयी एक आदर्श थे और देश भर के लोग उनके अनोखे व्यक्तित्व और कार्यों से प्रेरित थे। उन्होंने कहा कि चार दशकों से अधिक के राजनीतिक सफर में वाजपेयी ने सार्वजनिक जीवन की हर भूमिका में उत्कृष्टता हासिल की। बिरला यहां वाजपेयी की जन्म शताब्दी के अवसर पर आयोजित संगीत नाटक रामायण में आमंत्रित लोगों को संबोधित कर रहे थे।

नववर्ष से पूर्व यूपी के करीब सौ नौकरशाहों को पदोन्नत की सौगात

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने सिविल सर्विसेज आईएएस के 95 अधिकारियों को नव वर्ष शुरू होने कसे एक सप्ताह पूर्व पदोन्नति का तोहफा दिया है। जिसकी वजह से आजमगढ़ के मंडलायुक्त मनीष चौहान और खाद्य आयुक्त सौरभ बाबू सहित सात आईएएस अधिकारी सचिव से प्रमुख सचिव पद पर पदोन्नत हो गये हैं। वहीं लखनऊ के जिलाधिकारी सूर्यपाल गंगवार, कानपुर नगर के जिलाधिकारी राकेश कुमार सिंह समेत 38 आईएएस को जिलाधिकारी एवं विशेष सचिव स्तर से सचिव स्तर में प्रमोशन मिला है। नियुक्ति विभाग ने प्रमोशन का आदेश भी जारी कर दिया है। वर्ष 2000 बैच के आईएएस अधिकारी सौरभ बाबू, मनीष चौहान, रंजन कुमार, अनुराग यादव और रणवीर प्रसाद को सचिव से प्रमुख सचिव के पद पर प्रोन्नत किया गया है। इनके अतिरिक्त इसी बैच के आईएएस अधिकारी अमित गुप्ता, दीपक अग्रवाल का भी प्रमोशन किया गया है।

मायावती ने कांग्रेस पर लगाया अंबेडकर का अपमान करने का आरोप

नई दिल्ली,(एजेंसी) बहुजन समाज पार्टी सुप्रीमो मायावती ने गुरुवार को कांग्रेस पार्टी पर निशाना साधते हुए उस पर पूंजीपतियों के हितों को बढ़ावा देते हुए डॉ. भीमराव अंबेडकर और उनके अनुयायियों का अपमान करने का आरोप लगाया। एक्स पर हिंदी में एक पोस्ट में, मायावती ने पूंजीपतियों और बड़े व्यवसायों के वित्तीय समर्थन पर भरोसा करने और अमीर समर्थक और गरीब विरोधी और किसान विरोधी रुख अपनाने के लिए

राजनीतिक दलों की आलोचना की। मायावती ने एक्स पर लिखा कि आज पूरे देश में बीएसपी के सभी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं व परमपूज्य बाबा साहेब डा भीमराव अम्बेडकर के उन सभी अनुयाइयों का अति–आभार, शुक्रिया व धन्यवाद जिन्होंने अमित शाह द्वारा किए गए बाबा साहेब के अनादर के विरुद्ध सभी जिला मुख्यालयों पर शान्तिपूर्ण सफल धरना–प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब विरोधी टिप्पणी वापस नहीं लेने व पश्चाताप नहीं करने पर बीएसपी के आह्वान पर आयोजित ऐसे प्रदर्शन आदि समस्या का स्थाई हल नहीं, बल्कि इसके लिए बहुजनों को सत्ता की मास्टर चाबी प्राप्त करके शासक वर्ग बनकर ही अपना उद्धार स्वंय करने योग्य बनना होगा तभी मुक्ति व सम्मान संभव। बसपा प्रमुख ने कहा कि इससे कांग्रेस के दोहरे चाल, चरित्र व चेहरा का भी पर्दाफाश होता है कि वह पूंजीपतियों का विरोध करके संसद अवरोध करती है किन्तु उन्हीं धन्नासेठों से धन लेकर पार्टी चलाती है और सरकार बनने पर उन्हें लाभ पहुँचाने का कार्य करती है, जो इनकी राज्य सरकारों के कार्यकलापों से स्पष्ट है। उन्होंने कहा कि इसी प्रकार, भारतरत्न परमपूज्य बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर के मामले में उनका व उनके अनुयाइयों की उपेक्षा व तिरस्कार करती है,

बीपीएससी छात्रों पर लाठीचार्ज को लेकर तमतमा गए लालू यादव

बिहार,(एजेंसी) बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) के अभ्यर्थियों को तितर–बितर करने के लिए बिहार पुलिस द्वारा लाठीचार्ज करने के एक दिन बाद, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने गुरुवार को कहा कि पुलिस को लाठीचार्ज नहीं करना चाहिए था और यह गलत था। लालू ने कहा कि ऐसा नहीं करना चाहिए था। गलत बात है। परीक्षा रद्द करने की मांग को लेकर बीपीएससी अभ्यर्थी बुधवार को पटना में आयोग के कार्यालय का श्घेरावश करने के लिए एकत्र हुए। हालाँकि, पुलिस विभाग के अधिकारियों ने एक स्पष्टीकरण जारी किया, जिसमें दावा किया गया कि उन्होंने श्हल्के बलश का प्रयोग किया और विरोध करने वाले अभ्यर्थियों को किसी भी तरह की चोट लगने से इनकार किया। अधिकारियों ने दावा किया कि कोचिंग शिक्षक अभ्यर्थियों को विरोध के लिए उकसा रहे थे। वहीं, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) के अभ्यर्थियों पर लाठीचार्ज को लेकर बृहस्पतिवार को राज्य सरकार और भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधा तथा आरोप लगाया कि भाजपा को सिर्फ अपनी कुर्सी बचाना है। प्रियंका गांधी ने अपने व्हाट्सएप चौनल पर पोस्ट किया, हाथ जोड़ रहे युवाओं पर इस तरह लाठी चलाना क्रूरता की पराकाष्ठा है। भाजपा राज में रोजगार मांगने वाले युवाओं को लाठियों से पीटा जाता है। उत्तर प्रदेश हो, बिहार हो या मध्य प्रदेश, युवा अगर अपनी आवाज उठाते हैं तो उन्हें बर्बरता से पीटा जाता है। उन्होंने कहा कि दुनिया के सबसे युवा देश के

नौजवानों का भविष्य क्या होगा, यह सोचना और उनके लिए नीतियां बनाना सरकारों का काम है। प्रियंका गांधी ने आरोप लगाया, भाजपा के पास सिर्फ कुर्सी बचाने का दृष्टिकोण है। जो मांगेगा रोजगार, उस पर होगा अत्याचार। इसे भी पढ़ेंरू बिहाररू प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवक ने पटना में आत्महत्या की बीपीएससी की ओर से 13 दिसंबर को आयोजित संयुक्त प्रारंभिक परीक्षा (पीएससी) के प्रश्नपत्र लीक होने का दावा करने वाले अभ्यर्थियों ने परीक्षा रद्द करने की मांग को लेकर बुधवार को पटना में विरोध–प्रदर्शन किया, जिस दौरान पुलिस ने लाठीचार्ज किया। पटना के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) राजीव मिश्रा ने बताया था कि पुलिसकर्मियों को प्रदर्शनकारियों पर उस समय लाठीचार्ज करना पड़ा।

मुख्यमंत्री सैनी ने चार परियोजनाओं का उद्घाटन व दो का शिलान्यास किया

हरियाणा, एजेंसी। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बुधवार को यहां कोसली विधानसभा क्षेत्र में 23 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली छह विकास परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। एक आधिकारिक बयान में यहां बताया गया कि 20.53 करोड़ रुपये की लागत वाली चार परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया और 2.51 करोड़ रुपये की लागत वाली दो परियोजनाओं की आधारशिला रखी गई। बयान के

अनुसार उद्घाटन की गई परियोजनाओं में बोहका में 33 केवी सबस्टेशन, धवाना को मंडोला से जोड़ने वाली सड़क, बोहतवास अहीर में एक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और लिलोध में एक माध्यमिक विद्यालय भवन शामिल हैं। इसके अनुसार गुगोड़ –तुम्बाहेड़ी सड़क और मुस्सेपुर से हालुहेड़ा संपर्क सड़क परियोजना का शिलान्यास किया गया। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि आवश्यक मानदंडों को पूरा करने के बाद डहीना खंड को उप–मंडल का दर्जा मिलेगा। सैनी ने इस मौके पर एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार ने किसानों के हित में कई निर्णय लिए हैं, जिनमें राज्य के किसानों की फसलों की एमएसपी पर शत–प्रतिशत खरीद सुनिश्चित करना भी शामिल है।

पीएम मोदी की मौजूदगी में राष्ट्रपति मुर्मू 17 बच्चों को करेंगी अवार्ड से सम्मानित

नई दिल्ली,(एजेंसी) देश भर में 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस का आयोजन किया जा रहा है। दिल्ली के भारत मंडपम में वीर बाल दिवस के मौके पर प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार का वितरण होगा। इस वर्ष देश भर के कुल 17 बच्चों को ये सम्मान मिलने वाला है। देश के 14 राज्योंध्केंद्र शासित प्रदेशों के बच्चों को ये पुरस्कार मिल रहा है। पुरस्कार पाने में लड़कियों ने बाजी मारी है। ये पुरस्कार 10 लड़कियों और सात लड़कों को दिया जा रहा है। 17 बच्चों को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू पुरस्कार देकर सम्मानित करेंगी। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी हिस्सा लेंगे। बता दें कि प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार कुल सात कैटेगरी में दिए जाते है। इन सात कैटेगरी में आर्ट एंड कल्चर, बहादुरी, इनोवेशन, साइंस एंड टेक्नोलॉजी, सोशल वर्क, स्पोर्ट्स एंड एनवॉयरमेंट होता है। इस कार्यक्रम में कुल 3500 बच्चे शिरकत करने वाले है। पीएम मोदी इस कार्यक्रम में सुपोषित पंचायत योजना का शुभारंभ होगा। इसके साथ ही मार्च पास्ट को हरी झंडी दिखाई जाएगी। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी उद्घाटन भाषण देने वाली है। इस आयोजन में प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार विजेताओं के अलावा गणमान्य व्यक्ति भी हिस्सा लेंगे। केंद्र सरकार ने वर्ष 1996 में राष्ट्रीय बाल पुरस्कार की शुरुआत की गई। ये सम्मान उन असाधारण बच्चों के दिया जाता है जिन्होंने खास उपलब्धा हासिल की है। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की ओर से ये सम्मान दिया जाता है। वर्ष 1996 से ही पुरस्कार पाने वाले ये बच्चे कर्तव्यपथ पर होने वाली गणतंत्र दिवस परेड में हिस्सा लेते हैं। इन बच्चों का चयन हर वर्ष महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा किया जाता है। इस पुरस्कार को पाने वाले बच्चों में पांच वर्ष से 18 वर्ष तक की आयु के बच्चे शामिल होते है। ये पुरस्कार भारत के नागरिक और देश में रहने वालों को ही मिलता है। वर्ष 2018 में बहादुरी के क्षेत्र में उपलब्धि पाने वालों को ये पुरस्कार मिलने लगा है। ये पुरस्कार पहले छह कैटेगरी में मिलता था जिसे बढ़ाकर अब सात कर दिया गया है। ये पुरस्कार अब कला और संस्कृति, बहादुरी, नवाचार (इनोवेशन), शैक्षणिक, सामाजिक सेवा और खेल में मिलता है। इसमें अब साइंस और टेक्नोलॉजी को भी शामिल किया गया है। जिन बच्चों को ये पुरस्कार मिलता है ।

हेमंत सोरेन के शासन में असुरक्षित महसूस कर रहीं झारखंड की महिलाएं

मुबई,(एजेंसी) झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास की पुत्रवधू और पहली बार विधायक बनीं भाजपा नेता पूर्णिमा साहू ने दावा किया कि हेमंत सोरेन सरकार के शासन में अपराधियों के बढ़ते मनोबल के कारण राज्य की महिलाएं असुरक्षित महसूस कर रही हैं। साहू इस साल के चुनाव में जमशेदपुर पूर्वी विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस कार्यकारी समिति के सदस्य अजय कुमार को 42,000 से अधिक मतों से हराकर राज्य विधानसभा के लिए चुनी गई थीं। दास 1995 से पांच बार इस सीट पर काबिज रहे। साहू ने मंगलवार को एक बयान में कहा, ''महिलाएं और छात्राएं सुरक्षित महसूस नहीं कर रही हैं, क्योंकि सोरेन सरकार के शासन में अपराधियों के बढ़ते मनोबल के कारण उनमें भय का माहौल है।'' उन्होंने दावा किया कि झारखंड में छेड़छाड़ जैसी घटनाएं आम हो गई हैं। साहू ने आरोप लगाया कि सोरेन सरकार

सभी मोर्चों पर विफल रही है और विधानसभा चुनाव के दौरान किए गए एक भी वादे को पूरा नहीं किया है। साहू ने दावा किया कि 'मंईयां' सम्मान योजना के तहत महिलाओं को झामुमो नीत सरकार द्वारा दिए गए। 2,500 रुपये अभी तक लाभार्थियों के खातों में जमा नहीं किए गए हैं।

संपादकीय

विफल प्रयोग में सुधार

अब केंद्र सरकार ने शिक्षा नीति में उस फैसले में सुधार किया है, जिसमें पांचवीं व आठवीं में किसी छात्र को फेल न करके, अगली कक्षा में जाने का सरल रास्ता दे दिया गया था। कहा जा रहा था कि इस फैसले के चलते छात्रों द्वारा परीक्षाओं को गंभीरता से न लेने से शैक्षिक गुणवत्ता में गिरावट देखी जा रही थी। छात्रों को लगने लगा था कि जब वे फेल नहीं होंगे और अगली कक्षा में बिना पढ़े चले जाएंगे, तो पढ़ना किस लिए। जिसके चलते शैक्षिक स्तर में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही थी। दरअसल, पहले सरकार ने इस मुद्दे पर संवेदनशील व मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए छात्रों के प्रति उदार रवैया अपनाया। यह माना गया कि छात्रों को फेल करने से उनके आत्मसम्मान को ठेस लगती है। कतिपय स्थानों पर फेल होने के तनाव में आत्महत्या तक के मामले प्रकाश में आए थे। यही वजह थी कि विद्यार्थियों के स्वाभाविक विकास व उनका मनोबल ऊंचा रखने के लिये उन्हें फेल न करने की नीति अपनायी गई। दरअसल, नो डिटेंशन नीति लागू करने का मकसद यही रहा कि वंचित व पिछड़े समाज के छात्रों को स्कूलों में अधिक से अधिक दाखिला पाने का मौका मिले। यह नीति राइट टू एजुकेशन का हिस्सा थी। दरअसल, इस नीति का मकसद स्कूलों में बेहतर वातावरण बनाना था जिससे बच्चे बिना किसी भय के नियमित स्कूल आते रहें। उन्हें फेल न करने की नीति का मकसद यह भी था कि वे फेल होने पर शर्म महसूस न करें। किसी तरह का तनाव न झेलें। लेकिन इस कोशिश का परिणाम यह हुआ कि बड़ी संख्या में छात्र पढ़ाई से विमुख होने लगे। उनके मन से परीक्षा की गंभीरता का भाव जाता रहा। यही वजह थी कि जुलाई 2018 में राइट टू एजुकेशन को संशोधित करने हेतु लोकसभा में बिल पेश किया गया। इसमें स्कूलों में लागू नो डिटेंशन पॉलिसी को खत्म करने का विचार किया गया। कालांतर 2019 में राज्य सभा में भी यह बिल पारित हुआ। दरअसल, संशोधित नीति के अंतर्गत परीक्षाओं में फेल होने वाले विद्यार्थियों के लिये दो माह के भीतर पुनरू परीक्षा की व्यवस्था की गई। कहा गया कि पांचवीं व आठवीं के विद्यर्थियों के लिये नियमित परीक्षा करायी जाए। दरअसल, संसद में संशोधन बिल पारित होने के उपरांत राज्य सरकारों को छूट दी गई थी कि वे नो डिटेंशन नीति को हटा सकते हैं। इसे राज्यों के विवेक पर छोड़ा गया क्योंकि शिक्षा राज्यों का विषय होता है। बहरहाल, अब केंद्र सरकार ने शैक्षिक सुधारों की दिशा में कदम उठाते हुए नई नीति के तहत केंद्रीय विद्यालयों, नवोदय विद्यालयों तथा सैनिक स्कूलों में नो डिटेंशन नीति को खत्म कर दिया है। परीक्षा में अनुत्तीर्ण विद्यार्थियों को एक और परीक्षा का मौका तो दिया जाएगा, लेकिन उन्हें स्कूल से निकाला नहीं जाएगा। दुबारा फेल होने पर वे उसी कक्षा में फिर से पढ़ाई करेंगे। निस्संदेह, फैसले के बाद छात्र इम्तिहानों को गंभीरता से लेने पर परीक्षाओं की गरिमा भी बरकरार रहेगी। दरअसल, सरकार की कोशिश रही है कि नई शिक्षा नीति उदार बनी रहे और इससे उनकी सीखने की प्रवृत्ति का विकास हो सके। यहां उल्लेखनीय है कि पहले ही बीस राज्य व केंद्रशासित प्रदेश नो डिटेंशन पॉलिसी को समाप्त कर चुके हैं। लेकिन यहां जरूरी है कि स्कूलों में शिक्षा के बुनियादी ढांचे को मजबूती दी जाए। इसके लिये आवश्यक है कि शिक्षा में छात्रों की रुचि बढ़ाने वाले पाठ्यक्रम लागू हों, व्यक्तिगत शिक्षण दृष्टिकोण तथा व्यापक शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम को बढ़ावा मिले। ऐसे में यदि छात्रों को प्रणालीगत विपलताओं का त्रास झेलना पड़े तो यह उनके प्रति अन्याय करने जैसा ही होगा। चिंता व्यक्त की जाती रही है कि नये फैसले से हाशिये पर रहने वाले समुदायों के बच्चों के साथ न्याय नहीं होगा। उनमें फेल होने के डर से स्कूल छोड़ने की प्रवृत्ति बढ़ सकती है। जिसकी आशंका तमिलनाडु जैसे राज्य पहले ही जता चुके हैं। चिंता जतायी जाती रही है कि ऐसे प्रयासों से शिक्षा के अधिकार की रचनात्मक पहल बाधित हो सकती है।

लोकतंत्र को सामने लाना जरूरी है

परिस्थितिजन्य चाय की पत्तियों को पढ़ना और लगातार " सत्ताधारियों" से सवाल करना यह सुनिश्चित करने की कुंजी है कि लोकतंत्र में प्रयोग किसी अंधेरी गली में न भटक जाए। स्थापित लोकतंत्र शायद ही कभी अचानक बहुसंख्यकवाद (अपूर्ण लोकतंत्र का एक उदाहरण) के सामान्यीकरण की ओर वापस लौटते हैं। शुरुआती संकेत बड़े दिखाई देते हैं और समय रहते उन्हें पहचानना जरूरी है, खासकर अगर वे जाँच और संतुलन की संस्थाओं से संबंधित हों। सामान्य समय में जो संकेत हानिरहित लगते हैं, वे भी भयावह संकेत बन जाते हैं, जब पृष्ठभूमि में संविधान की भावना से बार–बार समझौता और ढील दी जाती है, भले ही वह संविधान के शब्दों में न हो। पाकिस्तान में जनरल जिया–उल हक की सैन्य तानाशाही के शुरुआती वर्षों में (पीछे मुड़कर देखने पर) लेकिन शुरू में बिना किसी सवाल के संकेत इसका एक उदाहरण हैं। लोकतंत्र और पाकिस्तानी संविधान की भावना को बनाए रखने का वादा करने के बाद, उन्होंने बाद में एक बिल्कुल अलग कहानी लिखी। इतिहास की पुनर्कल्पना मोहम्मद अली जिन्ना के राष्ट्रीय आदर्श वाक्य एकता (इत्तेहाद), आस्था (यकीन), व्यवस्था (नज़्म) के शब्दों और क्रम की पुनर्व्याख्या के साथ गुप्त रूप से शुरू हुई। धार्मिक रूप से प्रेरित जनरल जिया को अपनी परिकल्पित प्राथमिकताओं आस्था, एकता, व्यवस्था के अनुसार क्रम को पुनर्व्यवस्थित करने के साथ सूक्ष्म परिवर्तन करने थे। इतिहासकार इस बात पर जोर देते हैं कि जिन्ना का विश्वास, या यकीन, पाकिस्तान के विचारष से संबंधित था, जबकि जनरल जिया ने इसे धार्मिक आस्था के संदर्भ में पुनर्व्याख्या की, जैसा कि किसी भी बहुसंख्यकवादी या शुद्धतावादी शासन में आदर्श है। जल्द ही, पाकिस्तान सेना की अपेक्षाकृत उदार संस्था भी ष्एकता, आस्था, अनुशासनष के काफी मानकीकृत आदर्श वाक्य से बदलकर अधिक धार्मिक रूप से प्रेरित ईमान (विश्वास), तकवा (पवित्रता) और जिहाद फि सबीलिल्लाह (अल्लाह के मार्ग में पवित्र युद्ध)ष में बदल गई। चिंतनीय रूप से, यह पाकिस्तान सेना को "अल्लाह के मार्ग में पवित्र युद्ध" (जैसा कि धार्मिक चरमपंथियों और आतंकवादियों द्वारा भी दावा किया जाता है) छेड़ने का आदेश देगा, न कि केवल देश की क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा करने के अपने संवैधानिक और प्रतिबंधित कार्य के लिए। जिसे अर्थगत नुकीली बातें समझा जा सकता है, वह अक्सर धार्मिकता और संशोधनवाद को वैध बनाने में बदल जाती है जनरल जिया के अपने बहिष्कार और पक्षपातपूर्ण एजेंडे को शामिल करने के काले वर्षों के भयानक परिणाम आज भी पाकिस्तान में चल रहे हैं, और यह एक ऐसा जिन्न है, जिसे एक बार बाहर निकाल देने के बाद, बोतल में वापस डालना बहुत मुश्किल है। अर्थगतता का एक ऐसा ही मामला, जो स्वाभाविक रूप से भड़काऊ था, तब हुआ था जब तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू बुश ने 9ď11 के हमलों के तुरंत बाद अपने "आतंकवाद के खिलाफ युद्ध" भाषण में, आतंकवाद के खिलाफ अपने युद्ध को प्रासंगिक बनाने के लिए धर्मयुद्ध" का आह्वान किया था। मध्य पूर्व क्षेत्र में अरब मुसलमानों के खिलाफ ईसाई पश्चिम द्वारा छेड़े गए । युद्धों के रूप में ष्धर्मयुद्धष की अशिष्ट चूक याद आती है, ताकि मुसलमानों से पवित्र भूमि पर कब्जा किया जा सके।

बांग्लादेश-पाक के नापाक गठजोड़ के खतरे

हरीश

यह वाकई अजब मंजर है। जिस भारत ने विश्वपटल पर बांग्लादेश के उदय के लिए अपने 1600 सैनिकों की कुर्बानी दी। जिस भारत ने अरबों रुपये खर्च कर इस देश को चलने के काबिल बनाया। उसी बांग्लादेश के उदय के उपलक्ष्य में मनाए गए विजय दिवस पर इस बार फिजाएं भारत विरोधी नारों से गुंजायमान थीं। इसी बांग्लादेश ने भारतीय सैनिकों की याद में सात साल से बनाए जा रहे वॉर मेमोरियल का काम भी रोक दिया है। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं के साथ निर्मम हिंसा, उनके पूजास्थलों के साथ तोड़फोड़ और तिरंगे के अपमान की खबरें तो पहले ही लगातार आ रही हैं। बांग्लादेश की राजधानी ढाका से चिंतित करने वाली खबर ये भी कि 53 साल पहले करारी हार के बाद बांग्लादेश (तब के पूर्वी पाकिस्तान) से रुखसत होने वाली पाकिस्तानी आर्मी की फिर बांग्लादेश में एंट्री होने जा रही है। पाक आर्मी के मेजर जनरल रैंक के अफसर के नेतृत्व में एक स्पेशल टीम बांग्लादेश की आर्मी को ट्रेनिंग देने के लिए यहां आएगी। शेख हसीना का तख्तापलट होने के बाद आज बांग्लादेश इतिहास के एक ऐसे दोराहे पर खड़ा है, जहां उसके सामने अपने ही अस्तित्व को लेकर गंभीर संकट पैदा हो सकता है। बांग्लादेश में भारत विरोध का जुनून इस कदर छाया है कि इस प्रक्रिया में कार्यवाहक सरकार के समर्थक अल्पसंख्यकों को निशाना बना रहे हैं। वहां हिंदुओं के उपासना स्थलों के साथ तोड़फोड़ के वीडियो वायरल हो रहे हैं। हिंदुओं से जान बचाने के लिए अपनी पहचान छिपाने तक के लिए कहा जा रहा है। इतिहास गवाह है कि ऐसे समय में, कोई एक व्यक्ति उम्मीद की लौ जगाता है। आशा की किरण और प्रतिकार का प्रतीक बन जाता है। दक्षिण अफ्रीका में नेल्सन मंडेला, म्यांमार में आंग सान सू की, भारत में भगत सिंह और बोस, पोलैंड में लेक वालेसा, तिब्बत में दलाई लामा और खुद बांग्लादेश के स्वतंत्र होने पर शेख मुजीबुर रहमान– इसके जीवंत उदाहरण हैं। तो क्या अब इस्कॉन के चिन्मय कृष्ण दास अनजाने में ही बांग्लादेश में हिंदू–उत्पीड़न के प्रतिरोध का प्रतीक बन गए हैं? चिन्मय कृष्ण दास अपने साथियों की हत्या और मंदिरों को जलाने के बाद, बांग्लादेश में हिंदू प्रतिरोध का चेहरा और बांग्लादेश सनातन जागरण मंच के प्रवक्ता बने हैं। बांग्लादेश की इस्कॉन इकाई ने दावा किया कि इस्कॉन पर अनुचित तरीके से काम करने का गलत आरोप लगाया गया है। इस्कॉन पूरी तरह से आध्यात्मिक, अहिंसक, गैर–राजनीतिक, गैर–पक्षपाती और गैर–सांप्रदायिक संगठन है, जिसकी 50 से अधिक वर्षों की बेदाग विरासत है। बांग्लादेश की केयरटेकर सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस और उनके समर्थक बांग्लादेश की विरासत को खत्म करने में व्यस्त हैं। हालात यह हैं कि वह बांग्लादेश के संस्थापक और राष्ट्रपिता शेख मुजीबुर्रहमान का सम्मान तो छोड़िए, जानबूझकर उनके अपमान पर उतारू है। वहां पर उनकी मूर्तियां तोड़ी जा रही हैं। मोहम्मद यूनुस ने राष्ट्रपति भवन से मुजीबुर्रहमान की तस्वीरें हटवा दी हैं। उनके नाम से जुड़ी छुट्टियां तक रद्द कर दी गई हैं। यहां तक कि मुजीबुर्रहमान की फोटो हटाने के लिए बांग्लादेशी करेंसी टका को बदलने के आदेश दिए गए हैं। अगले 6 महीनों में नए नोट मार्केट में आ जाएंगे। इन नोटों पर धार्मिक स्थल और बंगाली परम्परा के चिन्ह बने होंगे। काबिलेगौर है कि शेख मुजीबुर्रहमान बांग्लादेश के संस्थापक होने के साथ ही शेख हसीना के पिता हैं। बांग्लादेश की सड़कों पर इस वक्त इस्लामिक कट्टरपंथियों का बोलबाला है। शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग तस्वीर से बाहर है। दो अन्य पार्टियां ढाका की सत्ता पर नजर गड़ाए हैं– खालिदा जिया की बीएनपी और जमात–ए–इस्लामी। चीन जमातियों और बीएनपी की मेजबानी कर रहा है। जमात का इतिहास दागदार रहा है। यह एक कट्टरपंथी और भारत विरोधी संगठन रहा है। बांग्लादेश ने भारत के चिर–विरोधी पाकिस्तान के साथ रिश्ते सुधारने में जरा भी देर नहीं की है। इसके लिए वीजा सिक्योरिटी क्लियरेंस को खत्म कर दिया है। 2019 में शेख हसीना की सरकार ने पाकिस्तानी नागरिकों के लिए नॉन ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट लेना अनिवार्य किया था। अब यह प्रोसेस खत्म कर दिया गया है। यहां तक कि बांग्लादेश में 50 सालों में पहली बार जिन्ना की 76वीं सालगिरह भी मनाई गई। इस जश्न में पाकिस्तान के डिप्टी हाई कमिश्नर और यूनुस सरकार के कई लोग शामिल हुए। इसमें

जिन्ना को बांग्लादेश का 'राष्ट्रपिता' घोषित करने तक की मांग की गई। इस कार्यवाहक सरकार ने पाकिस्तान से गोला–बारूद भी खरीदा है। इस गोला–बारूद का इस्तेमाल आर्टिलरी गन में किया जाता है, जो 30 से 35 किलोमीटर की रेंज तक हमला कर सकती है। बांग्लादेश तीन तरफ से भारत से घिरा है और चौथी तरफ बंगाल की खाड़ी है। यानी अगर इसके इस्तेमाल की नौबत आती है, तो भारत के खिलाफ हो सकता है। ऐसे में भारत की सीमा सुरक्षा बल ने भी अपनी निगरानी बढ़ा दी है। भारत अपनी सबसे लंबी करीब चार हजार किलोमीटर की सरहद बांग्लादेश के साथ साझा करता है। यह सीमा पहाड़ों, उफनती नदियों और घने जंगलों से होकर गुजरती है। भारत का विदेश मंत्रालय बांग्लादेश के हथियार खरीद, पाकिस्तान से दोस्ती और हिंदुओं पर अत्याचार आदि पर नजरें बनाए हुए है। इसीलिए ढाका जाकर विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने अपने समकक्ष मोहम्मद जशीमुद्दीन को स्पष्ट और सख्त शब्दों में कहा है कि सबसे पहले बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों की रक्षा, मंदिरों और दूसरे धार्मिक स्थलों की सुरक्षा सुनिश्चित होनी चाहिए। हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने भी यूनुस से फोन पर बात की है। इसमें बांग्लादेश में मानवाधिकारों की बिगड़ती स्थिति व लोकतंत्र पर चिंता जताई गयी। उन्होंने कहा कि हिंदुओं पर हमलों को लेकर बांग्लादेश को ठोस कदम उठाने चाहिए। अगले साल फरवरी से बांग्लादेशी आर्मी ट्रेनिंग की शुरुआत होगी। पहले चरण की ट्रेनिंग बांग्लादेश के मेमनशाही कैंट में आर्मी ट्रेनिंग एंड डॉक्ट्रिन कमांड (एटीडीसी) मुख्यालय में होगी। एक साल तक चलने वाले पहले चरण के बाद बांग्लादेशी आर्मी की सभी 10 कमांड में भी पाकिस्तान की आर्मी ट्रेनिंग देगी। बड़ा सवाल यह है कि भारत के लिए पाकिस्तान–बांग्लादेश गठजोड़ खतरा क्यों है? दरअसल, पाकिस्तान–बांग्लादेश गठजोड़ से सिलीगुड़ी में 80 किमी चौड़े भारत के चिकन नेक कॉरिडोर पर खतरा बढ़ सकता है। ये भारत को समूचे पूर्वोत्तर से जोड़ता है। बांग्लादेश में पाक की एंट्री के बाद पूर्वोत्तर के कट्टरपंथी ग्रुप के और हावी होने की आशंका है। दरअसल, बांग्लादेश की सामरिक लोकेशन काफी अहम है। चिकन नेक कॉरिडोर के पास भूटान का डोकलाम भी है। इस पर चीन कब्जा चाहता है। बांग्लादेश में यूनुस सरकार और अब पाक सेना की एंट्री के बाद चीन के लिए बने अनुकूल हालात भारत के लिए चिंता का सबब बन सकते हैं। पाकिस्तान से हाथ मिलाने पर मोहम्मद यूनुस पर तंज कसते हुए मशहूर लेखिका तस्लीमा नसरीन ने भी कहा कि जिस पाकिस्तान ने लाखों लोगों की हत्या की और करीब दो लाख महिलाओं के साथ बलात्कार किया, उसे अब दोस्त क्यों बनाया जा रहा है? जिस पाकिस्तान ने अभी तक 1971 के अत्याचारों के लिए बांग्लादेश से माफी नहीं मांगी है, वह बांग्लादेश का मित्र राष्ट्र कैसे हो सकता है? भारत के साथ बांग्लादेश की यह 'कारगुजारी' माफी लायक कतई नहीं है!

एआई व चिकित्सा क्षेत्र में क्रांति की जगी उम्मीद

डॉ. शशांक

पिछले दिनों गूगल ने अपनी एक क्रांतिकारी क्वांटम चिप 'विलो' को दुनिया के सामने पेश किया। विलो क्लासिकल कंप्यूटरों की तुलना में जटिल गणितीय समस्याओं को तेजी से हल करता है। दावा है कि यह उन समस्याओं को 5 मिनट में हल कर देती है, जिन्हें करने में पारंपरिक कंप्यूटर को अरबों साल लगते। कैलिफोर्निया के सांता बारबरा में कंपनी की क्वांटम लैब में यह चिप विकसित की गई है। विलो चिप में 105 क्यूबिट हैं। क्यूबिट्स पारंपरिक बिट्स की तुलना में स्वाभाविक रूप से तेज होते हैं। गूगल के अनुसार विलो के क्यूबिट को सावधानीपूर्वक जोड़ा गया है। यह क्यूबिट की संख्या बढ़ने पर त्रुटि दर को कम करने में सक्षम था। गूगल का लक्ष्य वर्तमान प्रणालियों से कहीं अधिक गति प्राप्त करके कंप्यूटिंग में क्रांति लाना है। गूगल ने एक ब्लॉगपोस्ट में लिखा, 'विलो ने पांच मिनट से भी कम समय में एक मानक बेंचमार्क गणना की। इसे करने में आज के सबसे तेज सुपरकंप्यूटरों में से एक को 10 सेप्टिलियन वर्ष लगेंगे। इतने साल तो ब्रह्मांड की आयु भी नहीं है।' फिलहाल गूगल की चिप द्वारा हल की गई समस्या का कोई तत्काल व्यावसायिक अनुप्रयोग नहीं है। हालांकि, कंपनी क्वांटम कंप्यूटरों को चिकित्सा, बैटरी तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता में चुनौतियों से निपटने के लिये तैयार कर रही है, जो काम आज के कंप्यूटर नहीं कर सकते हैं। क्वांटम चिप एक विशेष प्रकार की कंप्यूटर चिप है जिसे क्वांटम यांत्रिकी के सिद्धांतों का उपयोग करने के लिए डिजाइन किया गया है, जो परमाणुओं जैसे छोटे कणों का विज्ञान है। क्वांटम कंप्यूटिंग गणना करने की ऐसी तकनीक है, जो परंपरागत कंप्यूटर से काफी अलग है। आज हम जो कंप्यूटर देखते हैं, वह बाइनरी गणना का इस्तेमाल करते हैं, यह 'बिट्स' पर काम करते हैं, जो या तो 1 या 0 हो सकते हैं। मतलब जो भी जानकारी हमारे सामने होती है, वह दरअसल 1 या 0 के रूप में होती है, और कंप्यूटर उसे लॉजिक का इस्तेमाल करके उस जानकारी को मानव द्वारा पढ़ने और समझने लायक बनता है। अगर हम क्वांटम कंप्यूटर की बात करें तो वह क्यूबिट्स पर काम करता है। यह क्यूबिट्स एक साथ 1 और 0 दोनों पर काम कर सकता है। एक क्यूबिट दो अवस्थाओं के रैखिक संयोजन को प्राप्त करने के लिए सुपरपोजिशन की क्वांटम मैकेनिकल घटना का उपयोग करता है, और जानकारी को बेहद कम समय में प्रोसेस कर देता है। विलो चिप की सफलता में एडवांस क्वांटम एरर करेक्शन की बड़ी भूमिका है। बहुत अधिक गलती होना लंबे समय से क्वांटम कंप्यूटिंग की बड़ी बाधा रही है। क्वांटम इंफॉर्मेशन की मूल इकाइयां क्यूबिट्स अपने वातावरण के प्रति बहुत अधिक संवेदनशील होती हैं। इसके चलते इसके कैलकुलेशन में गलती होने की संभावना रहती है। इस कमी के चलते क्वांटम सिस्टम के विस्तार होने पर इसकी गणनाओं को ठीक रख पाना मुश्किल हो जाता है। क्वांटम एरर करेक्शन से यह कमी दूर की गई है। इस सुधार का विलो को लाभ मिला है। हाल ही में नेचर पत्रिका में प्रकाशित रिपोर्ट में गूगल ने बताया है कि कैसे विलो का क्वांटम एरर करेक्शन चिप को कम गलती के साथ बड़ी गणनाएं करने की अनुमति देता है। पिछले चार दशक से क्वांटम कंप्यूटर बनाने की कोशिशें चल रही हैं, पर दिक्कत यह आती है कि ऐसे कंप्यूटर तेजी के चक्कर में गलतियां भी करते हैं। काफी समय से वैज्ञानिक इस समस्या से मुक्ति का रास्ता ढूंढ़ रहे हैं। बात 1995 की है, जब एक अमेरिकी वैज्ञानिक पीटर शोर ने यह अवधारणा दी थी कि क्वांटम कंप्यूटर तभी कामयाब हो सकता है, जब इसमें खुद ही गलतियों को सुधारने का कोई तरीका शामिल कर दिया जाए। अल्फाबेट का कहना है कि उसने अपने विलो चिप में गलतियां सुधारने की क्षमता शामिल करने में सफलता हासिल कर ली है। यह चिप गणना भी करेगा और साथ ही साथ गलतियों पर भी नजर रखेगा। उन्हें सुधारता हुआ चलेगा। गूगल की टीम ने दिखाया है कि क्यूबिट की संख्या बढ़ने पर गलती कम हुई है। यह ग्रिड से बढ़कर एनकोडेड क्यूबिट के ग्रिड तक पहुंच गई। अब गूगल का लक्ष्य अगले साल तक क्वांटम कंप्यूटिंग के लिए वास्तविक दुनिया के उपयोग के मामले पेश करना है। एआई के लिए जिस तरह की क्षमता वाले कंप्यूटरों की जरूरत होती है, वैसे कंप्यूटर बाजार में बहुत ज्यादा उपलब्ध नहीं हैं। अभी तक एआई का पूरा बाजार अमेरिकी कंपनी एनविडिया के ग्राफिक विशेषज्ञों के हवाले है। माना जाता है कि इनके जरिये विलो चिप बड़ी उम्मीद बनकर आया है। उम्मीद है, इससे एआई का तेजी से विकास होगा और इसके उपयोग की परीकथा जैसी अनेक कल्पनाएं जमीन पर उतरती दिखाई देंगी। गूगल के अनुसार विलो चिप द्वारा टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में नए आयाम प्राप्त करने में सफलता मिलेगी, विशेष रूप से नई टेक्नोलॉजी से हेल्थकेयर, एनर्जी और अन्य सेक्टर्स में रिसर्च को बेहतर कर, आम आदमी के लिए नए रास्ते खोलेगा। कुल मिलाकर विलो चिप कंप्यूटिंग क्षेत्र में एक विशाल छलांग मानी जा रही है, और ऐसा माना जा रहा है कि यह कंप्यूटिंग के भविष्य और उसके इस्तेमाल को हमेशा के लिए बदल कर रख देगा।

मुफ्त की चुनावी घोषणाओं बिगाड़ रहीं हैं आर्थिक सेहत

योगेंद्र

चुनाव जीतने के लिए मुफ्त की रेवड़ी बांटने वाली आप अकेली पार्टी नहीं हैं। जब भी चुनाव नजदीक आते हैं, राजनीतिक दलों में खैरात बांटने की होड़ लग जाती है। इसका एकमात्र मकसद चुनाव जीतना है। इसके नुकसान–फायदों की राजनीतिक दलों का परवाह नहीं हैं। दिल्ली चुनाव को अभी एक महीने से ज्यादा का समय बाकी है। उससे पहले दिल्ली की आम आदमी पार्टी ने महिला सम्मान योजना को मंजूरी दे दी। इस योजना के तहत महिलाओं के खाते में हर महीने 1000 रुपये आएंगे। आप के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि चुनाव के बाद इसको बदलकर 2100 रुपए करेंगे। चुनाव जीतने के लिए मुफ्त की रेवड़ी बांटने वाली आप अकेली पार्टी नहीं हैं। जब भी चुनाव नजदीक आते हैं, राजनीतिक दलों में खैरात बांटने की होड़ लग जाती है। इसका एकमात्र मकसद चुनाव जीतना है। इसके नुकसान–फायदों की राजनीतिक दलों का परवाह नहीं हैं। यह अलग बात है कि चाकू खरबूजे पर गिरे या खरबूजा चाकू पर, कटना तो खरबूजे को ही है। मसलन फ्री का माल लेने वाले को भी आखिरकार इसकी कीमत चुकानी पड़ती है। किसी न किसी रूप में टैक्स का बोझ उन पर भी पड़ता है। फ्री की योजनाओं का फायदा उठाने वाले भी इससे बढने वाली महंगाई की मार से बच नहीं सकते। इससे पहले राजस्थान में विधानसभा चुनाव के दौरान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने वोटरों को फ्री में स्मार्टफोन और तीन साल के लिए फ्री इंटरनेट का वायदा किया था। गहलोत ने राज्य के हर परिवार को हर महीने 100 यूनिट तक फ्री बिजली फ्री देने का ऐलान किया था। मध्य प्रदेश में पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कांग्रेस की सरकार बनने पर हर परिवार को 100 यूनिट तक फ्री बिजली देने का वादा किया। तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने लाडली बहना योजना के तहत सवा करोड़ गरीब महिलाओं के खाते में एक हजार रुपये जमा कराए। कांग्रेस ने वादा किया था कि उसकी सरकार आई तो हजार नहीं बल्कि 1,500 रुपये दिए जाएंगे। शिवराज ने युवाओं को लुभाने के लिए 12वीं कक्षा के कुल 9000 टॉपर्स को एक–एक स्कूटी देने का भी ऐलान किया था। चुनावी रेवड़ी बांटना का कल्चर शुरु से ही विवादों से घिरा रहा है। सुप्रीम कोर्ट, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया, आर्थिक विशेषज्ञ, चुनाव आयोग और मौजूदा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तक इस पर चिंता जता चुके हैं। कोई भी राजनीतिक दल व्यापक देशहित से जुड़े ऐसे मुद्दों का समाधान तलाशना तो दूर बल्कि चर्चा तक करना नहीं चाहता। सुप्रीम कोर्ट ने मुफ्त राशन और अन्य मुफ्त योजनाओं पर गंभीर सवाल उठाए हैं। कोर्ट ने केंद्र सरकार से पूछा कि आखिर लोगों को ष्फ्री की रेवड़ीष कब तक बांटी जाएगी। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस मनमोहन की बेंच ने

कहा कि कोरोना महामारी के दौरान मुफ्त राशन देना समय की जरूरत थी, लेकिन अब रोजगार और आत्मनिर्भरता पर ध्यान केंद्रित करने का समय आ गया है। सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार ने कोर्ट को बताया कि देश के 81 करोड़ लोगों को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत मुफ्त या सब्सिडी वाला राशन दिया जा रहा है। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने हैरानी जताई और सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता व अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी से कहा, ष्तो मतलब सिर्फ टैक्सपेयर्स ही ऐसे लोग हैं जिन्हें मुफ्त राशन नहीं मिल रहा है। यह स्थिति गंभीर विचार का विषय है।ष वर्ष २०२२ में श्रीलंका का आर्थिक संकट सामने आया तो इसने दुनियाभर की सरकारों को चेता दिया। सर्वदलीय बैठक में विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा था कि श्रीलंका से सबक लेते हुए हमें मुफ्त के कल्चर से बचना चाहिए। जयशंकर ने कहा कि श्रीलंका जैसी स्थिति भारत में नहीं हो सकती, लेकिन वहां से आने वाला सबक बहुत मजबूत है। इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी एक रैली में रेवड़ी कल्चर पर सवाल उठाए थे। पीएम मोदी ने कहा था कि आजकल हमारे देश में मुफ्त की रेवड़ी बांटकर वोट बटोरने का कल्चर लाने की भरसक कोशिश हो रही है। ये रेवड़ी कल्चर देश के विकास के लिए बहुत घातक है। रेवड़ी कल्चर वालों को लगता है कि जनता जनार्दन को मुफ्त की रेवड़ी बांटकर उन्हें खरीद लेंगे। मोदी ने कहा था कि हमें मिलकर रेवड़ी कल्चर को देश की राजनीति से हटाना है। भारत में ऐसी लुभावनी पर आर्थिक तौर पर घातक चुनावी वायदों की शुरुआत तमिलनाडु से मानी जाती है। वर्ष 2006 में तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव में डीएमके ने सरकार बनने पर सभी परिवारों को फ्री कलर टीवी देने का वादा किया। डीएमके के इस चुनावी वादे को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई। हालांकि, डीएमके जीत गई। वादा पूरा करने के लिए 750 करोड़ रुपये का बजट लगाया गया। मामला सुप्रीम कोर्ट में चल ही रहा था कि 2011 के विधानसभा चुनाव में विपक्षी अन्नाद्रमुक ने टीवी के जवाब में मिक्सर ग्राइंडर, इलेक्ट्रिक फैन, लैपटॉप, कम्प्यूटर, सोने की थाली आदि बांटने का वादा कर दिया। शादी होने पर महिलाओं को 50 हजार रुपये और राशन कार्ड धारकों को 20 किलो चावल देने का वादा भी किया। नतीजे आए तो अन्नाद्रमुक की सरकार बन गई। 2006 के चुनावी वादे पर जुलाई 2013 में सुप्रीम कोर्ट ने फैसला दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि फ्रीबीज सभी लोगों को प्रभावित करती है, जो स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव की जड़ को काफी हद तक हिला देती हैं। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को भी आदेश दिया कि वो सभी राजनीतिक पार्टियों से सलाह–मशविरा कर एक आचार संहिता बनाए। इसके बाद 2015 में चुनाव आयोग ने राजनीतिक पार्टियों और उम्मीदवारों के लिए आचार संहिता जारी भी की, लेकिन उसके बावजूद चुनावों में फ्रीबीज का ऐलान होता ही रहा है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने कहा था, ऐसी योजनाएं जिनसे क्रेडिट कल्चर कमजोर हो, सब्सिडी की वजह से कीमतें बिगड़ें, प्राइवेट इन्वेस्टमेंट में गिरावट आए और लेबर फोर्स भागीदारी कम हो तो वो फ्रीबीज होती हैं। वर्ष 2022 पिछले साल आरबीआई की भी एक रिपोर्ट आई थी। इसमें कहा गया था कि राज्य सरकारें मुफ्त की योजनाओं पर जमकर खर्च कर रही हैं, जिससे वो कर्ज के जाल में फंसती जा रही हैं। स्टेट फाइनेंसेसरू अ रिस्क एनालिसिस नाम से आई आरबीआई की इस रिपोर्ट में उन पांच राज्यों के नाम दिए गए हैं, जिनकी स्थिति बिगड़ रही है। इनमें पंजाब, राजस्थान, बिहार, केरल और पश्चिम बंगाल शामिल थे। चुनावी वादों के कारण बढ़ रही मुद्रास्फीती और महंगाई की मार आम लोगों पर पड़ रही है। बेरोजगारी बढ़ रही है। राजनीतिक दलों का इससे सरोकार नहीं है। सत्ता में आने के बाद सरकारें फ्री देने के वादे पूरा करने के लिए टैक्स का बोझ बढ़ाती जा रही हैं।

आल इंडिया एथलेटिक्स इंटर यूनिवर्सिटी प्रतियोगिता में रूबी कश्यप ने गोल्ड पहली बार व्यक्तिगत स्पर्धा में अविवि को गोल्ड दिलाकर रचा इतिहास

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय की महिला खिलाड़ी रूबी कश्यप ने भुवनेश्वर के कलिंगा इंस्टिट्यूट ऑफ सोशल साइंस में आयोजित ऑल इंडिया एथलेटिक्स इंटर यूनिवर्सिटी प्रतियोगिता के पहले दिन 10 किलोमीटर दौड़ में प्रथम स्थान पाकर विश्वविद्यालय को गोल्ड मेडल दिलाया। इसी शानदार प्रदर्शन की बदौलत रूबी कश्यप ने खेलों इंडिया प्रतियोगिता के लिए भी क्वालिफाई कर लिया। इस प्रतियोगिता के टीम मैनेजर डॉ. सतीश श्रीवास्तव एवं कोच नीरज पटेल रहे।ऑल इंडिया इंटर यूनीवर्सिटी एथलेटिक्स प्रतियोगिता में रूबी कश्यप के उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल ने गोल्ड मेडल विजेता खिलाड़ी को बधाई दी।उन्होंने कहा कि खिलाड़ी ने विश्वविद्यालय का गौरव एवं मान बढ़ाया है। यह उसके निरंतर खेल अभ्यास और तकनीकी दक्षता से संभव हुआ है।इस होनहार खिलाड़ी को विश्वविद्यालय सम्मानित करेगा। विवि क्रीड़ा सचिव प्रो. आशीष प्रताप सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय के खेल इतिहास में यह पहला अवसर है कि अखिल भारतीय स्तर की एथलेटिक्स प्रतियोगिता में किसी महिला खिलाड़ी ने व्यक्तिगत स्पर्धा में गोल्ड मेडल प्राप्त किया है। उन्होंने बताया कि कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल के कुशल मार्गदर्शन में खिलाड़ियों को अच्छी खेल सुविधाएं मिल रही है।इसके अलावा खिलाड़ियों को उच्च गुणवत्ता की स्पोर्टस किट एवं रेल तथा बस में वातानुकूलित यात्रा की सुविधा प्रदान की जा रही है, जिससे खिलाड़ियों में अपार हर्ष है।इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय क्रीडा परिषद के उपाध्यक्ष प्रो. हिमांशु सिंह, वित्त अधिकारी पूर्णेंदु शुक्ला, कुलसचिव उमानाथ, कुलानुशासक प्रो. एस. एस. मिश्रा, प्रो. नीलम पाठक, साकेत महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. दानपति त्रिपाठी, विश्वविद्यालय महाविद्यालय शिक्षक संघ के अध्यक्ष जनमेजय तिवारी,महामंत्री प्रो. अमूल्य, कुमार सिंह, विश्वविद्यालय आवासीय परिसर शिक्षक संघ अध्यक्ष प्रो.शैलेन्द्र वर्मा, उपाध्यक्ष डॉ. संग्राम सिंह, महामंत्री डॉ. राना रोहित सिंह, क्रीड़ा उप सचिव डॉ. अनुराग पाण्डेय, डॉ. विनय सिंह, डॉ. मनीष सिंह, प्रो. प्रवीन सिंह, प्रो. सन्तोष गौड़, डॉ. नागेंद्र सिंह, डॉ. पूनम जोशी, डॉ. सीमा पाण्डेय, डॉ. दुष्यंत सिंह, डॉ. अनिल मिश्रा, डॉ. कपिल राणा, डॉ. त्रिलोकी यादव, डॉ अर्जुन सिंह, डॉ. अयूब सिद्दीकी, कुमार मंगलम सिंह सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमियों ने महिला खिलाड़ी को बधाई दी।

अयोध्या जी तीर्थ विकास परिषद की गठित नियोजन समिति की बैठक सम्पन्न

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। अयोध्या जी तीर्थ विकास परिषद की सहायता हेतु गठित नियोजन एवं विकास समिति की बैठक मण्डलायुक्त/अध्यक्ष गौरव दयाल की अध्यक्षता में आयोजित की गयी।इसमें चन्द्र विजय सिंह,समिति के सदस्य वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजकरन नैय्यर, सी0ई0ओ0 तीर्थ विकास परिषद संतोष कुमार शर्मा, उपाध्यक्ष अयोध्या विकास प्राधिकरण अश्विनी कुमार पांडेय सहित अन्य समिति के सदस्य उपस्थित रहे।सी0ई0ओ0 अयोध्या जी तीर्थ विकास परिषद द्वारा बताया गया कि शासन द्वारा लगभग 98 करोड़ की लागत वाली कुल 23 परियोजनाओं की स्वीकृति प्राप्त हुई है।जिसमें 10 परियोजनाओं की डी0पी0आर0 शासन द्वारा स्वीकृति हो चुके है शेष प्रक्रियाधीन है।मण्डलायुक्त ने अयोध्या में राम की पैड़ी पर दर्शकदीर्घा (विजिटल गैलरी/सेल्फी प्वाइंट) एवं पर्यटन सुविधाओं के कराये जाने वाले कार्यो के सम्बंध में सम्बंधित आर्केटेक से कहा कि कार्यो की ऐसी योजना बनायी जाय कि पैड़ी के दिखने वाले भाग बहुत ही उत्कृष्ट लगे तथा राम की पैड़ी पर लगी प्रकाश हेतु सभी लाईटों की कमाण्ड एक स्थान से हो।इस दौरान उन्होंने कहा कि परिषद द्वारा प्रस्तावित समस्त कार्यो में आवश्यक रूप से सीसीटीवी व पब्लिक एड्रेस सिस्टम का प्राविधान भी सुनिश्चित किया जाय।शासन द्वारा स्वीकृति श्रृंगी ऋषि आश्रम में कराये जाने वाले प्रस्तावित कार्यो की समीक्षा के दौरान उन्होंने कहा कि श्रृंगीऋषि आश्रम पर घाट के समानान्तर बैठने हेतु बेंचो तथा कैफेटेरिया और आवश्यकतानुसार शौचालयों का भी प्राविधान किया जाय। इसी प्रकार जनपद के अमानीगंज ब्लाक अन्तर्गत रायपट्टी में स्थित गहनाग बाबा धाम के पर्यटन विकास हेतु कराये जाने वाले कार्यो के सम्बंध में उन्होंने कहा कि गहनाग बाबा मंदिर सहित सभी परियोजनाओं में कहीं भी इंटरलाकिंग ईट का प्रावधान न हों तथा डेकोरेटिंग स्ट्रीट लाइट के खम्भे हो यह सुनिश्चित किया जाय। उन्होंने कहा कि प्राचीन मंदिरों/आश्रमों की जीर्णोद्वार के समय यह विशेष रूप से ध्यान दिया जाय कि उसके आधारभूत संरचना बनी रहे ताकि उनकी प्राचीन महत्ता को संरक्षित किया जा सकें। इस दौरान अयोध्या स्थित कौशलेस सदन, भास्कर भवन, संत निवास, ठाकुर राम जानकी नाई पंचायती मंदिर, आचार्य नरेन्द्र देव के परिक्षेत्र में स्थित गुलाबबाड़ी पार्क के सौन्दर्यीकरण एवं गुप्तारघाट के सामने यात्रियों की सुविधा के दृष्टिगत बेंच प्रकाश व्यवस्था सहित स्वीकृति 23 परियोजनाओं के प्रस्तावित कार्यो पर चर्चा की गयी। इसके अतिरिक्त समिति द्वारा कुल 05 एजेंडा बिन्दुओं पर भी चर्चा की गयी। बैठक के दौरान सी0ई0ओ0 अयोध्या तीर्थ विकास परिषद द्वारा बिन्दुवार विवरण प्रस्तुत किया गया।बैठक में डीएफओ प्रणव जैन, संयुक्त मुख्य कार्यपालक अधिकारी गण व जनपद के नगर निकायों के अध्यक्ष गण सहित अन्य सम्बंधित उपस्थित रहे।

संदिग्ध परिस्थितियों में दिगंबर अखाड़ा में संत का मिला शव

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। कोतवाली अयोध्या अंतर्गत दिगंबर अखाड़ा मंदिर में गुरुवार की सुबह संदिग्ध परिस्थितियों में एक वृद्ध संत का शव मिला।पुलिस ने इस संबंध मे हृदय गति रुकने से मौत होने की संभावना जताई।बलिया जिले के रसड़ा थाना के मुस्तफाबाद गांव के रहने वाले अखिलेश दास उम्र 60 वर्ष बाल्यकाल में ही अयोध्या आ गए थे।वह दिगंबर अखाड़ा के स्वर्गीय महंत रामचंद्र परमहंस दास के शिष्य बनकर रहने लगे।पुलिस के मुताबिक गुरुवार की सुबह जब अन्य शिष्य चाय लेकर उनके कमरे में पहुंचे तो दरवाजा अंदर से बंद था।काफी आवाज लगाने पर जब वह नहीं उठे तो पुलिस की मौजूदगी में दरवाजे को तोड़ा गया तो वह अंदर मृत मिले।मृत्यु की सूचना मिलने पर सीओ अयोध्या आशुतोष तिवारी,प्रभारी निरीक्षक कोतवाली अयोध्या के प्रभारी निरीक्षक मनोज शर्मा समेत फॉरेंसिक टीम घटनास्थल पर पहुंची वह जांच की प्रभारी ने बताया कि प्रथम दृष्टया हार्ट अटैक आने से मौत का मामला लग रहा है।उनके परिवारीजनों को सूचना दी गई है। आने के बाद आगे की कार्यवाई की जाएगी।

गोमती नदी के किनारे पुल के नीचे मां काली के मंदिर होने के प्रमाण के लिए चलाया गया हस्ताक्षर अभियान

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। गोमती नदी पर बने शाहीपुल के नीचे काली माता मंदिर होने के दावे को लेकर हिंदूवादी संगठनों द्वारा कोतवाली परिसर का घेराव करते हुए मंदिर को खोलने की मांग की गई थी। वहीं अब यह मामला काफी तेजी से मंदिर खोलने को लेकर जोर पकड़ लिया है।भारी संख्या में हिंदू मंदिर को पूरा खोलने की मांग कर रहे हैं। शुक्रवार को इसको लेकर महाराज अम्बुजानंद ने शहर से लेकर गांव तक हस्ताक्षर अभियान चलाया है। जिसमें भारी संख्या में स्थानीय लोगों के साथ–साथ शहर में आने जाने वाले लोग भी इस अभियान में शामिल होकर हस्ताक्षर कर रहे हैं वहीं इस अभियान को बल देने के लिए विश्व हिंदू परिषद के जिला अध्यक्ष विमल सिंह ने सभी हिंदू भाइयों से इस मुहिम में ज्यादा से ज्यादा भाग लेने की अपील किया है उनका कहना है कि यहां एक विशाल मां काली का मंदिर है जो काफी समय पहले मुगलों के समय बंद कर दिया गया था फिर खोला गया था पुनः नदी में पानी भरने के कारण कुछ लोगों कि वहां डूबने से घटना हुई थी इस कारण मंदिर बंद कर दिया गया था अब वहां पर अच्छे ढंग से गोमती नदी के तट का घाट बनकर तैयार हो गया है ऐसे में पुनः मां काली के मंदिर को खोल देना चाहिए जिससे हम लोग पूजा अर्चना कर सके यदि प्रशासन इस पर ध्यान नहीं देता है तो हम इससे बड़ा आंदोलन चलाएंगे। वहीं इस मामले में इस पूरे अभियान के अग्रणी अम्बुजानंद महाराज ने मंदिर की दीवार न खोलने पर बड़े आंदोलन की दी चेतावनी देते हुए कहा कि मां काली का मंदिर वहां स्थापित है हम सनातनियों के लिए यह जरूरी है कि उसे मंदिर को पुनः खोला जाए और वहां पूजा अर्चना किया जाए।इस मामले को लेकर सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन दिया गया है जिसमें उन्होंने कुछ समय मांगा था यह बताया गया कि मामला पुरातत्व विभाग व पीडब्ल्यूडी के हाथ में है जो वाराणसी से संबंध है यदि वहां बात नहीं बनती है तो हम लोग वाराणसी में भी मुलाकात करेंगे यदि वहां भी सुनवाई नहीं हुई तो हम इस मामले को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी महाराज के दरबार में भी पहुंचेंगे और इस मंदिर को खुलवा कर रहेंगे अन्यथा इसके लिए और भी बड़ी लड़ाई लड़ी जाएगी।

जेसी आई शाहगंज की अध्यक्ष बनी दीपा सेठ कार्यकारिणी के साथ लिया शपथ

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर शाहगंज की प्रमुख सामाजिक संस्था जेसीआई शाहगंज सिटी का 45वां शपथ ग्रहण समारोह और पुरस्कार वितरण का आयोजन गुरुवार देर रात हुआ। समारोह में अध्यक्ष के तौर पर दीपा सेठ और उनकी कार्यकारिणी ने शपथ लिया। इस मौके पर 14 नए सदस्यों ने भी संस्था की सदस्यता ग्रहण की। पक्का पोखरा स्थित ज्योत्सना मैरेज लॉन में देर रात तक चले शपथ ग्रहण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व मंडलाध्यक्ष राधेरमण जायसवाल मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरुआत में अमृता जायसवाल और आयुष्मान अग्रहरि ने जेसी आस्था और लक्ष्य का पाठ किया। आकृति और आर्या ने गणेश वंदना पर नृत्य किया। सचिव 2024 वीरेंद्र जायसवाल ने वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। इसके बाद अध्यक्ष 2024 राम अवतार अग्रहरि ने अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। इस मौके पर बीते कार्यकाल में उम्दा प्रदर्शन करने वाले और विशेष योगदान देने वाले जेसी साथियों और पूर्व अध्यक्षों को सम्मानित किया गया। विश्वानी जायसवाल ने नई अध्यक्ष का परिचय प्रस्तुत किया। इसके बाद राम अवतार अग्रहरि ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष दीपा सेठ और उनकी कार्यकारिणी को शपथ दिलाई। उपाध्यक्ष के तौर पर

विवेक सोनी, हिमांशु गुप्ता, कार्तिक अग्रहरि, आशीष सोनी, अमृता जायसवाल और वीरेंद्र जायसवाल ने शपथ ली। निदेशक पद पर रवि अग्रहरि, बालाजी राव, संदीप यादव, अश्विनी अग्रहरि, रोहित गुप्ता और सुमंग साहू ने शपथ लिया। आदित्य अग्रहरि ने सचिव, उज्ज्वल सेठ ने कोषाध्यक्ष, दीपक सिंह ने पीआरओ, रौनक मोदनवाल ने जेजे चेयरमैन, आयुष अग्रहरि ने जेजे सचिव और रुचि राव ने लेडी जेसी कॉर्डिनेटर पद की शपथ ली। नए सदस्य के रूप में उत्कर्ष मिश्रा, रमन मिश्रा, आदर्श बरनवाल, पूजा अग्रहरि, अमृत अग्रहरि, सुजल मोदनवाल, श्रद्धा सोनी, ज्ञानचंद, पवन गुप्ता, दिव्यांशु श्रीवास्तव, यशोवर्धन जायसवाल, प्रथम सिंह, दुर्गेश जायसवाल और अंजलि जायसवाल को अधिष्ठापन अधिकारी गौरव सेठ ने शपथ दिलाई। विशिष्ट अतिथि पूर्व अध्यक्ष अनिल पांडेय ने सभी को नए कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं। धन्यवाद ज्ञापन आदित्य अग्रहरि ने किया। कार्यक्रम में पूर्व अध्यक्ष हनुमान प्रसाद अग्रहरि, रूपेश जायसवाल, प्रेम नारायण जायसवाल, कैलाश नाथ जायसवाल, लालचंद यादव, दिनेश चंद्र गांधी, उमाशंकर गुप्ता, संजीव जायसवाल, डॉ जेपी दुबे, संजय गुप्ता, रमेश गुप्ता, रविकांत जायसवाल, दीपक जायसवाल, अभिषेक अग्रहरि, अविनाश जायसवाल, आशीष जायसवाल, निर्भय जायसवाल, डॉ एस एल गुप्ता, मनोज अग्रहरि, मनोज जायसवाल, दिनेश मोदनवाल, मनीष अग्रहरि, डॉ सुनील दुबे, संदीप जायसवाल आदि मौजूद रहे।

जिला गंगा समिति एवं जिला पर्यावरण समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र के निर्देशन में तथा मुख्य विकास अधिकारी साई तेजा सीलम की अध्यक्षता में जिला वृक्षारोपण समिति, जिला गंगा समिति एवं जिला पर्यावरण समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी द्वारा वर्ष–2023–24 और 2024–25 में रोपित किये गये पौधों की जीवित प्रतिशत रिपोर्ट निर्धारित प्रारूप में सूचना 30 दिसम्बर 2024 तक प्रभागीय कार्यालय में उपलब्ध

कराने के निर्देश दिया गया। वृक्षारोपण वर्ष 2025–26 में समस्त विभागों द्वारा वृक्षारोपण हेतु भूमि चयन के सम्बन्ध में, विगत वर्ष की भांति प्रदेश में वृक्षारोपण वर्ष 2025–26 के लिए 36.50 करोड़ वृक्षारोपण लक्ष्य प्रस्तावित है। जिसके सापेक्ष जनपद जौनपुर में वन विभाग को 14,55,400 व अन्य विभाग को 39,89,767 लक्ष्य प्रस्तावित है। अन्य विभागों द्वारा वृक्षारोपण हेतु गड्ढा खुदान कार्य 25 मार्च 2025 तक पूर्ण कर लिया जाये। अन्य विभागों द्वारा एक ही स्थल पर कम से कम 1000 पौधों का वृक्षारोपण किया जाये। वर्ष 2024–25 में अन्य विभागों द्वारा जियोटैगिंग (हरितमा एप्स से) वृक्षारोपण की तिथि के पश्चात् एक सप्ताह के अन्दर जियोटैगिंग का कार्य पूर्ण कराने का निर्देश दिया। इस अवसर पर संबंधित अधिकारीगण और कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुई डूडा व नगर निकायों की समीक्षा बैठक

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना)

आज विवेकानंद सभागार में जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह की अध्यक्षता में डूडा व नगर निकायों की समीक्षा बैठक हुई। जिलाधिकारी ने पीओ डूडा को निर्देश दिए कि लक्ष्य के अनुरूप पात्रों को पीएम स्वनिधि योजना से लाभान्वित कराया जाये। उन्होंने अधिशाषी अधिकारी बिलग्राम, पिहानी, सांडी, गोपामऊ, कुरसठ व पाली को लक्ष्य के अनुरूप प्रथम किश्त के लिए आवेदन प्राप्त न होने पर कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी नगर निकायों को दूसरी व तीसरी किश्त के लिए निर्देश दिए। लाभार्थियों की सहायता के लिए बैंकों के साथ समन्वय बनाये रखा जाये। सभी लाभार्थियों के परिवार के सदस्यों की सोशल प्रोफाइलिंग का कार्य 15 जनवरी तक पूरा कराया जाये। प्रधानमंत्री आवास योजना के अधूरे आवासों का निर्माण जल्द पूरा कराया जाये। नये लाभार्थियों के चयन के लिए एक माह के अंदर सर्वे कराया जाये और उसके बाद प्रमाण पत्र दिया जाये कि कोई भी पात्र छूटा नहीं है। लाभार्थी चयन के लिए पात्रता की शर्तों को ध्यान में रखा जाये। सभासदों का भी सहयोग प्राप्त किया जाये। पूर्ण मकानों की अवशेष जियो टैगिंग का कार्य शीघ्र पूरा किया जाये। उन्होंने हरदोई नगर पालिका में अन्य नगर निकायों की तुलना में सबसे कम प्रधानमंत्री आवास के पात्रों की संख्या होने पर अधिशाषी अधिकारी को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने डूडा के डीसी को कड़ी फटकार लगायी तथा निर्देश दिए कि सर्वेयरों के साथ नियमित बैठक की जाये। नगर पालिका में 25 दिन तक पात्रों के चयन के लिए कैम्प लगाने के लिए कार्यक्रम बनाया जाये। नगर निकायों की समीक्षा के दौरान उन्होंने कहा कि वंदन योजना के कार्यो को तेजी से कराया जाये। वंदन योजना के अंतर्गत गाँधी भवन के लिए आगणन व कार्य योजना तैयार करायी जाये। दीनदयाल आदर्श नगर योजना के अंतर्गत बिलग्राम में कार्य कराये जाएं। निकायों में पेयजल की व्यवस्था को बेहतर बनाया जाये। सीवर व जल निकासी की व्यवस्था को निर्बाध बनाया जाये। गौशालाओं में ठण्ड से बचाव के उपाय किये जाएं। गौशाला में सौर ऊर्जा संयन्त्र लगाए जाएं। गौशाला को आर्थिक गतिविधियों से जोड़ा जाये। नगर पालिका हरदोई में गौशाला के निर्माण की कार्रवाई प्रारम्भ की जाये। पाली में गौशाला के लिए भूमि का चिन्हीकरण किया जाये। इस अवसर पर सभी सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

दो दिवसीय खेलउत्सव का हुआ समापन

सुजानगंज

क्षेत्र के एपेक्स एकेडमी नगौली में चल रहे दो दिवसीय खेलउत्सव में स्कूल के छात्र छात्राओं ने भाग लिया दौड़, टेनिस, क्रिकेट, लंबी कूद, फुटबॉल आदि का आयोजन किया गया जिसमें विद्यालय के छात्र छात्राओं ने बढ़चढ़कर हिस्सा लिया। खेल उत्सव में भाग लेने वाली टीमें वॉलीबॉल और कबड्डी प्रतियोगिता में येलो हाउस ने ब्लू हाउस को हराकर जीत हासिल किया और रस्साकशी खेल में रेड हॉउस ने ब्लू हाउस को हराया वहीं पर हाई जंप मे भी येलो हाउस का दबदबा कायम रहा क्रिकेट में रेड हॉउस ने जीत हासिल कर अपना परचम लहराया। खेल से शारीरिक और मानसिक विकास होता है और आज के युग में खेल अति आवश्यक है बच्चे ही हमारे देश के भविष्य होते हैं यह विद्यालय परिवार लगातार ऐसे

आयोजनों को आयोजित करके बच्चों को उत्साहित करने का कार्य कर रहा है हम हर सम्भव विद्यालय को और मजबूत बनाने के लिए मदद करेंगे उक्त बाते बतौर मुख्य अतिथि रेखा सिंह जिलाध्यक्ष महिला मोर्चा कांग्रेस कमेटी ने कही. वहीं पर विद्यालय के प्रबंधक विवेक मौर्य ने सभी छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि हमारे सभी अध्यापकों ने कड़ी मेहनत से इस खेलउत्सव को सफल बनाने में कई दिनों से मेहनत कर रहे हैं और शिक्षण कार्य को न बाधित करते हुए इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए पूरी निष्ठा से लगे हुए हैं. इस अवसर पर ज्योति मौर्या, दीपक यादव,विकास,अमित यादव, प्रदीप मौर्य,कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्रधानाचार्य अमित शुक्ला ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया.

कोतवाली देहात में एस पी की उपस्थिति में हुआ चुप्पी तोड़ हल्ला बोल कार्यक्रम

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना)

समाधान अभियान एवं इंडिया पेस्टिसाइड्स लिमिटेड के साझा प्रयास चुप्पी तोड़ हल्ला बोल कार्यक्रम के अंतर्गत आज कोतवाली देहात पर स्थित बाल मित्र केंद्र पर वीर बाल दिवस के उपलक्ष में बच्चों के लिए एक क्विज

प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन जी ने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए प्रथम आए हुए 11 (लक्ष्मी पांडे ,स्वामी गौतम, अद्वैत कुशवाहा, रिद्धि शर्मा ,अंशु गुप्ता ,कृष्णा पांडे, दीप्ति मिश्रा, हर्ष मिश्रा, सौरभ वर्मा, अभिषेक सक्सेना एवं आर्यन कश्यप)बच्चों का मेडल देकर सम्मानित किया मौके पर समाधान अभियान के निदेशक श्रीमती सौम्या द्विवेदी ने बच्चों को सुरक्षित रहने एवं वीरता के साथ हर परिस्थिति का सामना करने के बारे में बताया मौके पर कोतवाली देहात के थाना प्रभारी श्री वीरेंद्र कुमार जी ने पूर्ण सहयोग किया संस्था ओर से मृदुल अवस्थी सूरज शुक्ला दीपांशु चतुर्वेदी, सीता वर्मा एवं प्रियांशु अवस्थी उपस्थित रहे।

भारतीय स्टेट बैंक के हजरतगंज स्थित स्थानीय प्रधान कार्यालय में फायर ड्रिल का आयोजन किया गया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। भारतीय स्टेट बैंक के हजरतगंज स्थित स्थानीय प्रधान कार्यालय में फायर ड्रिल का आयोजन किया गया। फायर ड्रिल मे स्थानीय प्रधान कार्यालय के सभी स्टाफ एवं फायर एवं इमरजेंसी विभाग , लखनऊ, उत्तर प्रदेश के अग्निदलकर्मियों ने भी भाग लिया। फायर ड्रिल के दौरान बिल्डिंग के पांचवें तल पर आग लगाकर धुआं निकालकर बिल्डिंग का फायर अलार्म बजाया गया एवं बिल्डिंग के कंट्रोल रूम से पी. ए. सिस्टम द्वारा बिल्डिंग को खाली करने की उद्घोषणा की गई इसी समय बिल्डिंग की विधुत सप्लाई भी पूरी तरह काट दी गई। बैंक के सभी कर्मियों द्वारा जिसमे मुख्य महाप्रबंधक, महाप्रबंधक– नेटवर्क –1, महाप्रबंधक–नेटवर्क–2, महाप्रबंधक–नेटवर्क–3 एवं मंडल विकास अधिकारी एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारीगणों ने बिना किसी विलंब के बिल्डिंग को खाली कर दिया। तदुपरांत स्टेशन फायर आफिसर हजरतगंज श्री राम कुमार रावत की अगुवाई में फायर ब्रिगेड कर्मियों द्वारा बिल्डिंग के आठवें फ्लोर पर हायड्रौलिक प्लेटफॉर्म लैडर लगाकर एक बैंक कर्मी का रेस्क्यू आपरेशन किया, इसके बाद अग्निशमन दल एवं बिल्डिंग के अग्नि सुरक्षा कर्मियों ने फायर फायटिंग आपरेशन किया। बैंक के फायर आफिसर ने कंट्रोल रूम स्टाफ सदस्यों की सहायता से फायर फायटिंग आपरेशन मे भाग लेकर विभिन्न अग्निशामकों से आग बुझाने का तरीका भी बताया। तदोपरांत 13.15 बजे ऑल क्लियर की उद्घोषणा की गई और सभी बैंक स्टाफ अपने–अपने ड्यूटि स्थल पर वापिस चले गए।

केनरा बैंक समर टी 20 अंतर बैंक क्रिकेट टूर्नामेंट का विजेता बना

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। वरिष्ठ समाजसेवी सर्वमित्र भट्ट ने बताया कि केनरा बैंक समर टी 20 अंतर बैंक क्रिकेट टूर्नामेंट का विजेता बना। समर टी 20 अंतर बैंक क्रिकेट टूर्नामेंट में 12 बैंकों की टीम ने हिस्सा लिया था। सेमीफाइनल प्रतियोगिता में केनरा बैंक ने एस बी आई को तथा बड़ौदा ग्रामीण बैंक ने बैंक ऑफ बड़ौदा को हरा कर फाइनल में जगह बनाई। जहां पहले बैटिंग करते हुए बड़ौदा ग्रामीण बैंक ने 20 ओवर में केनरा बैंक के सामने 172 रनों का लक्ष्य रखा। परंतु क्षितिज शुक्ला के 74 रनों और शत्रुघ्न जैसवार के धमाकेदार 65 रनों की पारी से इस विराट लक्ष्य को केनरा बैंक ने मात्र 18 ओवर में पूरा कर टूर्नामेंट का खिताब जीता। केनरा बैंक की ओर से अंशुमान सिंह और अतुल यादव ने 2–2 विकेट झटके। फाइनल मैच पार्थ क्रिकेट ग्राउंड में खेला गया।

कृतिकार माधुरी महाकाश की दो पुस्तकों का हुआ विमोचन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। कृषि सहकारी स्टाफ ट्रेनिंग सेन्टर, सेक्टर 21 इंदिरा नगर लखनऊ में कृतिकार माधुरी महाकाश की दो पुस्तकों "ब्रे नचिकेता" (महाकाव्य), एवं "कोमल किसलय" (काव्य संग्रह), का विमोचन वरिष्ठ साहित्यकारों एवं गणमान्य जनों की गरिमामयी उपस्थिति में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रो० हरि शंकर मिश्र ने लेखिका को बधाई देते हुये कहा कि माधुरी जी के कार्यक्रम में उनकी दो कृतियों के लोकार्पण में पुनः उपस्थित हूँ। मैं उनकी इन सुंदर कृतियों के लिए बहुत

बधाई देता हूँ। हाल ही लेखिका की दो पुस्तकें शकुंतला व्याटी अक्षयवट की एवं महालय प्रकाशित हो चुकी है। विशिष्ट अतिथि प्रभु नारायण, जो पूर्व अवध प्रान्त संघ चालक हैं, उन्होंने अपने सारगर्भित उद्‌बोधन द्वारा विषय की गंभीरता को समझाया। कृतिकार माधुरी महाकाश ने अपनी कृति के माध्यम से गुरु शिष्य सम्बन्धों के विषय में बताया। इन पुस्तकों की विशेषता बताते हुये विशिष्ट ने माधुरी को एक कुशल गृहिणी के साथ साथ लेखन की रुचि हेतु उनकी प्रशंसा भी की। अंत में प्रो हरि शंकर गुप्त अध्यक्ष अखिल भारतीय साहित्य परिषद ने उपस्थित लोगों का आभार ज्ञापित किया। इस अवसर पर अनेक गणमान्य साहित्यकार व विद्वान उपस्थित रहे, जिनमें प्रमुख रूप से आचार्य ओम नीरव जी, आचार्य केसरी प्रसाद शुक्ल, कथाकार शिवमूर्ति जी, अखिल भारतीय साहित्य परिषद के महानगर अध्यक्ष निर्भय नारायण गुप्त आदि तथा अपार जनसमूह के बीच कवियत्री राधा बिष्ट, दिनेश सिंह, श्री कृष्ण जनकल्याण समिति के अध्यक्ष राजेन्द्र सिंह नेगी एवं महासचिव दिलीप मणि, राजेन्द्र सिंह कनवाल, अच्युतानंद यादव, विनीता नेगी, सुनीता कनवाल, पुष्पा चौधरी, रेखा सिंह, दिनेश प्रसाद सिंह, हर्ष वर्धन मणि आदि उपस्थित रहे।

चार साहिबजदो का बलिदान दिवस और शहीद उधम सिंह जी के 125 में जन्म दिवस पर किया नमन : खोसला

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

नई दिल्ली। गुरु गोविंद सिंह जी के चार साहिबजादो अजीत सिंह, जुझारू सिंह, जोरावर सिंह, और फतेह सिंह की शहादत पर नमन और जलियांवाला बाग नरसंहार का बदला लेने वाले शाहिद उधम सिंह के जन्म दिवस पर टीम ब्रिगेड ट्रस्ट और दिल्ली अल्पसंख्यक आयोग के सचिव द्वारा आयोग के सभागार में नमन करने की अनुमति दी जिसमें उपस्थित मोहम्मद इसहाक खान दूरदर्शन कर्मी, कवि, साहित्यकार, वशज स्वतंत्रता संग्राम सेनानी सोनमद्र उव प्रव जीने बड़े खूबसूरत अंदाज से महाभारत का वाक्य किया और बाल दिवस और उधम सिंह जी के जन्म दिवस पर चार लाइन भी पढ़ी पास्टर श्री संजय कामावल जी ने भी आश्वासन दिया कि हम हर गरम दल क्रांतिकारी वीर की कार्यक्रम में उपस्थित होंगे और जन जागरण द्वारा इनका पैगाम जनता तक पहुंचाएंगे! मशहूर शायर आरिफ देहलवी जीने भी ए मेरे प्यारे वतन कविता पढ़कर कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए !सरदार मक्खन सिंह जी

ने बताया कि किस प्रकार सुबा ए सरहिंद जालिम वजीर खान ने माता गुजरी और छोटे साहब जड़ों को ठंडा बुर्ज में कैद किया मलेरकोटला के नवाब शेर मोहम्मद खान ने छोटे साहिबजादों के पक्ष में आवाज उठाई ठंडे बुर्ज में छोटे साहबजादों को दूध पिलाने की सेवा भाई मोतीराम बोरा जी ने की जीने कोलहु से प्रताड़ित किया गया ! अंतर्राष्ट्रीय मॉडल हितेश शर्मा जी ने उधम सिंह जी पर सोलो एक्ट किया और बचपन से लेकर जनरल डायर को मारने के बाद खुद मरने तक का वाक्य सभी समक्ष पेश किया !बहन रीमा जी भी अपने बच्चों को कार्यक्रम में लाई बच्चों ने भी बहुत खुशी महसूस की और कहा कि हमें किसी राजनीति दल के कार्यक्रम में ना ले जाकर भीम ब्रिगेड ट्रस्ट के कार्यक्रम में लेकर जाया करो जिसके हर कार्यक्रम में देशभक्ति की भावना जुड़ी होती है !नशा मुक्ति जागरूकता अभियान के प्रमुख सुशील खन्ना जी ने भी खूबसूरत अंदाज में उधम सिंह जी पर कविता पढ़ी !भाई मनीष जी ने भी कार्यक्रम की सराहना की और कहां की ऐसे कार्यक्रम हम सबको मिलकर करने चाहिए वह अपने बच्चों को भी इसकी जानकारी देनी चाहिए आजकल बच्चे मोबाइल में ही मगन रहते हैं जिससे बीमारियां बढ़ रही हैं! राजीव जोली खोसला खोसला ने कहा कि हम तो पिछले 25 वर्षों से यही प्रयास कर रहे हैं कि गरम दल क्रांतिकारी वीरों की शहादत की वजह से हम आजाद हुए और हमें इन सबको नमन करना चाहिए हालांकि यह सरकारों के काम है मगर सरकार भ्रष्टाचार करने में लिपटी रहती हैं या विज्ञापन देकर जनता को मूर्ख बनाने में ! राजू रहेजा, रोशनी रहेजा, सुखमनी सेवा ट्रस्ट, भूषण कुमार जैन आल दिल्ली पेरेंट्स एसोसिएशन, ज्योतिषाचार्य महेश कुमार जैन रिटर्न टू नेचर, इरशाद कुरेशी ने भी कहा कि सरकार महिलाओं को ₹2100 देने के नाम पर लूट रही हैं मालूम नहीं लूटने वाले सरकारी तंत्र है या लुटेरे,आचार्य देवेंद्र जी ने भी बहुत अच्छा संदेश दिया मौजूदा देश प्रेमी राहुल विज, अजय राजपूत, आशा जी, आयुष सोनकर, लक्ष्य सोनकर, वासु सोनकर और अन्य उपस्थित रहे।

क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी दीपिका यादव ने विजेताओं को मेडल और प्रमाणपत्र प्रदानकर सम्मानित किया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। खेल मैदान नारायणपुर. विकास खंड माल में युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल द्वारा खंड स्तरीय ग्रामीण खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। उद्घाटन ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर किया। क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी दीपिका यादव ने विजेताओं को मेडल और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। कबड्डी सीनियर वर्ग बालक प्रतियोगिता में करेन्ड की टीम ने जे.एम.एस. की टीम को पराजित किया। कबड्डी सबजूनियर बालक वर्ग में जे.एम.एस.की टीम ने बसंतपुर की टीम को पराजित किया। वॉलीबॉल जूनियर वर्ग में जे.एम.एस. की टीम ने करेन्ड की टीम को पराजित किया तथा सीनियर वर्ग में नबीपनाह की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, सीनियर वर्ग बालक की 100 मीटर

दौड़ दौड़ मे कुलदीप प्रथम रहे। जूनियर वर्ग बालक में 100 मीटर दौड में अजीत प्रथम रहे, 200 मीटर में कुलदीप प्रथम और अमन द्वितीय रहे। सीनियर वर्ग बालिका की 100 मीटर दौड़ में प्रीति पाल प्रथम रहीं। 200 मीटर दौड़ में सारिका यादव प्रथम रहीं। सीनियर वर्ग में बालक वर्ग में 1500 मीटर दौड़ में विजय कुमार ने प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा जूनियर वर्ग में अनीश ने प्रथम एवं प्रांशु रावत ने द्वितीय स्थान प्राप्त कियास कार्यक्रम के दौरान नारायणपुर प्रधान, शिक्षा विभाग के जितेन्द्र पाण्डेय, पीआरडी जवान सचिन यादव, मयंक अवस्थी, अजय यादव, विजय यादव, संदीप, रामेंद्र प्रताप सिंह, विद्या बागेश शुक्ला, छोटेलाल, श्रीराम भारती, कुबेर प्रसाद आदि उपस्थित रहे एवं कबड्डी कोच हिमांशु यादव, वॉलीबॉल कोच दिनेश यादव और मंगल दल अध्यक्ष मनमोहन सिंह का कार्यक्रम में विशेष सहयोग रहा।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया और इंडियन इंडस्ट्री एसोसिएशन के बीच उद्योग क्षेत्र में गतिशीलता बढ़ाने हेतु महत्वपूर्ण बैठक

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, लखनऊ के अधिकारियों और इंडियन इंडस्ट्री एसोसिएशन के सदस्यों के बीच उद्योग क्षेत्र में गतिशीलता लाने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस कार्यक्रम में यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के महाप्रबंधक राजेश कुमार ने बैंक द्वारा दी जाने वाली विभिन्न योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी और उद्योग क्षेत्र के लिए त्वरित सेवा प्रदान करने हेतु बैंक द्वारा किए गए प्रयासों की चर्चा की। महाप्रबंधक राजेश कुमार ने बताया कि यूनियन बैंक ने अपने ग्राहकों की विशेष जरूरतों को ध्यान में रखते हुए कई कस्टमाइज्ड उत्पाद पेश किए हैं। इनमें मशीनरी खरीदने के लिए इक्विपमेंट फाइनेंस, स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए आयुष्मान प्लस, महिला उद्यमियों के लिए नारी शक्ति, यूनियन सोलर और हॉस्पिटैलिटी सेक्टर के लिए योजनाएं शामिल हैं। इसके अलावा, एमएसएमई ग्राहकों के लिए लोन की आसान पहुंच सुनिश्चित करने हेतु लखनऊ में एमएसएमई फर्स्ट फोकस्ड ब्रांच और मिड्ल्लार्ज कॉर्पोरेट ब्रांच खोली गई हैं। लोन की मंजूरी की प्रक्रिया को तेज करने के लिए बैंक ने एमएसएमई लोन के लिए समर्पित प्रोसेसिंग सेंटर स्थापित किए हैं। यूनियन बैंक ने डिजिटल उत्पादों में भी कदम बढ़ाया है और ऋणों की तकनीकि सक्षम स्वीकृति (एसटीपी) प्रणाली विकसित की है, जिससे ग्राहक ऑनलाइन मोड के जरिए ऋण के लिए आवेदन कर सकते हैं और त्वरित स्वीकृति प्राप्त कर सकते हैं। बैंक ने नेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग (व्योम), पेमेंट गेटवे, कर भुगतान, यूपीआई, पीओएस मशीन आदि जैसे डिजिटल उत्पाद भी प्रदान किए हैं। इंडियन इंडस्ट्री एसोसिएशन के अध्यक्ष विकास खन्ना ने एमएसएमई क्षेत्र को भारतीय अर्थव्यवस्था का एक अत्यंत गतिशील और महत्वपूर्ण हिस्सा बताया और कहा कि भारत अब सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में उभर रहा है। उन्होंने यूनियन बैंक की योजनाओं की सराहना की और कहा कि बैंक द्वारा दी जाने वाली ऋण सुविधाएं भारतीय अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करने में अहम भूमिका निभा रही है। इंडियन इंडस्ट्री एसोसिएशन के सचिव वैभव अग्रवाल, ने बैंक के द्वारा किए गए इस कार्यक्रम की सराहना की और कहा की दोनों पक्षो को मिलकर देश की आर्थिक प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। कार्यक्रम के अंत में क्षेत्रीय प्रमुख मार्कण्डेय यादव ने इंडियन इंडस्ट्री एसोसिएशन के सभी सदस्यों का धन्यवाद किया और यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के साथ जुड़ने एवं भविष्य में सेवा देने का अवसर देने के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की ग्राहक सेवा की प्रतिबद्धता को पूर्ण निष्ठा से निभाने का भरोसा दिलाया।

प्राइवेट वाहनों का बंद हो व्यावसायिक इस्तेमाल

लखनऊ,(संवाददाता)। टैक्सी चालकों ने एग्रीगेटर पॉलिसी लागू कराने की मांग को लेकर मंगलवार को परिवहन आयुक्त कार्यालय पर प्रदर्शन किया। प्राइवेट वाहनों का व्यावसायिक इस्तेमाल बंद कराने के लिए कहा गया। संयुक्त मोर्चा ने अपर आयुक्त परिवहन को ज्ञापन सौंपा। पदाधिकारी कौशल सिंह ने बताया कि प्राइवेट गाड़ियों के टैक्सी के रूप में इस्तेमाल बंद करने की परिवहन विभाग से पहले भी मांग की गई थी, पर इसे पूरा नहीं किया गया। इस बार मांग को लेकर 15 दिन तक अभियान चलाया जाएगा। मोर्चा के सदस्य मो. जावेद खान ने बताया कि चालकों की कोई सुरक्षा नहीं है। चालक वेलफेयर एसोसिएशन के पदाधिकारी मुकेश कुमार ने कहा कि किराया कम होने से घर तक नहीं चल पा रहा है।

लक्ष्यफिड्यूसी संस्था एवं स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साईसेज, लखनऊ ने गरीबों में कम्बल, भोजन, उपहारों का वितरण

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। लॉफिड्यूसी संस्था ने स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साईसेज, लखनऊ के सहयोग से गरीबों में कम्बल, भोजन, खिलौने एवं गर्म कपड़ों का वितरण किया। जाड़े की ठिठुरन को ध्यान में रखते हुए लॉफिड्यूसी संस्था ने किंग जार्ज मेडिकल कॉलेज के करीब सड़क के किनारे सर्दी से पीड़ित गरीबों के मध्य कम्बलों एवं भोजन का वितरण किया। इसी क्रम में क्रिसमस के उपलक्ष्य में गरीब बच्चों हेतु उपहार, खिलौने एवं ऊनी वस्त्रों का वितरण भी चौक चौराहे एवं इसके आसपास के क्षेत्र में किया। इस पूरी प्रक्रिया में लगभग 1600 गरीब लोग लाभान्वित हुए। सभी लाभान्वितों ने लॉफिड्यूसी

संस्था का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का आरम्भ प्रातः 6.00 बजे आरम्भ हुआ। संस्था के अध्यक्ष यश सेंगर ने बताया कि संस्था सतत् गरीबों के हित में इस प्रकार के कार्यक्रम करती रहती है। आने वाले समय में इस प्रकार के कार्यक्रम पूर्व में ही सुनियोजित हो चुका है। उन्होंने यह भी कहा कि संस्था न केवल मानव हित अपितु पशुहित में भी कार्य कर रही है। लॉफिड्यूसी संस्था के अन्य वालेन्टियर्स अर्जुन प्रताप सिंह, अमय झा, विशेष गिहानी एवं आकृति यादव ने उपरोक्त कार्यक्रम में बढ़–चढ़ कर हिस्सा लिया। एस.एम.एस. लखनऊ ने लॉफिड्यूसी संस्था के सभी कार्यकर्ताओं को हार्दिक शुभकामनाओं के साथ–साथ उपरोक्त कार्यक्रम की सफलता हेतु बधाईयां दीं। साथ ही साथ उन्होंने भविष्य में भी ऐसे पवित्र कार्यक्रमों हेतु सहयोग प्रदान करने की सहमति दी।

115 करोड़ रुपये खर्च संवारे जाएंगे स्मारक

लखनऊ,(संवाददाता)। बसपा सरकार में लखनऊ, नोएडा में बनाए गए स्मारकों को चमकाने पर 155 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इसमें से 50 करोड़ के काम हो गए हैं। 65 करोड़ रुपये के काम और कराए जाएंगे। मंगलवार को मंडलायुक्त रोशन जैकब ने स्मारक समिति के कार्यों की समीक्षा के बाद बजट मंजूर किया। इस दौरान स्मारक समिति के सदस्य सचिव व एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार भी थे। मंडलायुक्त ने गोमतीनगर स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर सामाजिक परिवर्तन स्थल, पुरानी जेल रोड स्थित मान्यवर कांशीरामजी स्मारक स्थल व नोएडा स्थित राष्ट्रीय दलित प्रेरणा स्थल में किए जा रहे मरम्मत व सुंदरीकरण के कामों की जानकारी ली। अधिकारियों ने बताया कि इस साल करीब 50 करोड़ की लागत से मरम्मत, लाइटिंग व सुंदरीकरण के काम कराए गए हैं।

सिपाही भर्ती परीक्षा में उत्तीर्ण अभ्यर्थियों का फिजिकल शुरू

लखनऊ,(संवाददाता)। सिपाही नागरिक पुलिस के 60,244 पदों पर सीधी भर्ती की लिखित परीक्षा के बाद जारी कटऑफ सूची में चयनित अभ्यर्थियों के दस्तावेजों की जांच और शारीरिक मानक परीक्षा बृहस्पतिवार से शुरू हो गई। प्रदेश के सभी 75 जिलों की पुलिस लाइन में परीक्षा के पहले दिन करीब 6000 अभ्यर्थी दूसरे चरण की परीक्षा में शामिल हो रहे हैं। उप्र पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड के अध्यक्ष डीजी राजीव कृष्ण ने बताया कि सभी जिलों में गठित बोर्ड द्वारा शारीरिक मानक परीक्षा और दस्तावेजों की जांच की जा रही है। बता दें कि अगस्त माह में आयोजित लिखित परीक्षा के बाद जारी कट ऑफ सूची में चयनित करीब 1,74,316 अभ्यर्थियों को शारीरिक मानक परीक्षा और दस्तावेजों के सत्यापन के लिए चरणबद्ध तरीके से बुलाया गया है। इसमें उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को जनवरी माह के तीसरे सप्ताह में शारीरिक दक्षता परीक्षा (दौड़) के लिए बुलाया जाएगा। इससे संबंधित सूचनाएं भी बोर्ड द्वारा जल्द जारी की जाएंगी। बोर्ड द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक अभ्यर्थियों के अंकों का संपूर्ण विवरण भर्ती प्रक्रिया के संपन्न होने के बाद प्रकाशित किया जाएगा। वहीं शारीरिक मानक परीक्षा का परिणाम भी परीक्षा वाले दिन ही जारी कर दिया जाएगा। भर्ती बोर्ड के अध्यक्ष राजीव कृष्ण ने बताया कि इसके लिए सभी जिलों में गठित बोर्ड में जिला प्रशासन, स्वास्थ्य और शिक्षा विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को शामिल किया गया है। वहीं परीक्षा के दौरान किसी भी तरह गड़बड़ी अथवा सेंधमारी रोकने के लिए पुख्ता बंदोबस्त किए गए हैं। इसके लिए अत्याधुनिक तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है। कोई भी गड़बड़ी मिलने पर अभ्यर्थी का आवेदन निरस्त कर दिया जाएगा। यदि कोई अभ्यर्थी अपनी शारीरिक मानक परीक्षा से संतुष्ट नहीं है तो वह उसी दिन अपनी आपत्ति/अपील दाखिल कर सकता है। इसका निस्तारण करने के लिए बोर्ड द्वारा एक अपर पुलिस अधीक्षक को नामित किया जाएगा, जो अपनी मौजूदगी में दोबारा परीक्षा कराएगा। जो अभ्यर्थी दोबारा परीक्षा में असफल हो जाएंगे, उनको भर्ती के लिए अनुपयुक्त घोषित कर दिया जाएगा और उनकी अपील आगे स्वीकार नहीं होगी। वहीं यदि कोई अभ्यर्थी नियत दिनांक, समय और स्थान पर परीक्षण में शामिल होने में असफल रहता है तो वह संबंधित जिले के नोडल अधिकारी को इसके कारणों का हवाला देकर अन्य तिथि पर परीक्षा में शामिल होने के लिए प्रत्यावेदन दे सकता है।

बूंदाबांदी से 4.1 डिग्री गिरा दिन का पारा, गलन बढ़ी

लखनऊ,(संवाददाता)। राजधानी में मंगलवार को बूंदाबांदी से मौसम बदल गया। लोगों ने गलन महसूस की। बूंदाबांदी व बादलों की मौजूदगी से दिन के पारे में 4.1 डिग्री की गिरावट से हवा में ठंडक घुल गई। सोमवार की रात के पारे में 5.3 डिग्री तक का उछाल रहा, जो सामान्य से 5.7 डिग्री अधिक रहा। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक अगले 48 घंटों में रात के पारे में दो से चार डिग्री तक की गिरावट के आसार हैं। पश्चिमी विक्षोभ के असर से 27 से 28 दिसंबर के बीच फिर से हल्की से मध्यम बूंदाबांदी के आसार जताए गए हैं। दिन व रात के पारे में गिरावट के साथ सर्दी बढ़ेगी। मंगलवार को अधिकतम तापमान 19.6 डिग्री और रात का पारा 13.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बूंदाबांदी से राजधानी की हवा की सेहत में थोड़ा सुधार देखने को मिला। मंगलवार को छह वायु प्रदूषण मापक स्टेशनों में से सिर्फ लालबाग की हवा लाल यानी बेहद खराब और अलीगंज की हवा नारंगी यानी खराब श्रेणी में रही। गोमतीनगर, बीबीएयू, कुकरैल और तालकटोरा की हवा पीली यानी मध्यम श्रेणी में दर्ज हुई।

अधिवक्ता पर यौन शोषण व गर्भपात करवाने का मुकदमा

लखनऊ,(संवाददाता)। महिला वकील ने अधिवक्ता पर उनका यौन शोषण और गर्भपात कराने का आरोप लगाया है। जानकीपुरम पुलिस ने आरोपी अधिवक्ता समेत दस के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। पीड़िता के मुताबिक 12 साल पहले उनकी मुलाकात जानकीपुरम विस्तार सेक्टर–1 निवासी अधिवक्ता शैलेंद्र सिंह से हुई थी। दोस्ती बढ़ने पर दोनों की मोबाइल पर बातचीत होने लगी। 2018 में शैलेंद्र ने खुद को तलाकशुदा बताते हुए उनसे शादी कर ली। फिर यौन शोषण करता रहा। इस दौरान उनको पता चला कि आरोपी तलाकशुदा नहीं है। विरोध जताने पर शैलेंद्र ने उन्हें पीटा। उनके क्रेडिट व डेबिट कार्ड भी छीन लिए और गर्भपात करा दिया। महिला वकील ने बताया कि 21 अक्तूबर को आरोपी ने घर पर बुलाया, वहां अधिवक्ता विनीत वर्मा, अधिवक्ता सुंदर लाल, अधिवक्ता अशोक त्यागी, धनदेवी उर्फ सुजाता सिंह, शैलेंद्र की बुआ व उसका बेटा, भाई–बहन व शैलेंद्र के चाचा व चाचा का बेटा मौजूद था। सभी ने उन्हें पीटना शुरू कर दिया। शैलेंद्र ने गला दबाकर हत्या का प्रयास किया। पुलिस के पहुंचने पर उनकी जान बच सकी। थाना प्रभारी जानकीपुरम उपेंद्र सिंह के मुताबिक मामले की तफ्तीश चल रही है।

हत्या के 20 साल पुराने मामले में दो दोषियों को आजीवन कारावास

लखनऊ,(संवाददाता)। मेडिकल रिप्रजेंटेटिव कुणाल चतुर्वेदी का अपहरण करके उसकी नृशंस हत्या के 20 साल पुराने मामले में एडीजे राहुल मिश्रा ने दो दोषियों रहनुरेहमान और कासिफ को उम्रकैद और 19–19 हजार रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई है। साथ ही 19–19 हजार रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई है। पीड़ित इंद्रभूषण चतुर्वेदी ने अलीगंज थाने में 18 अक्तूबर 2005 को बेटे कुणाल के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। कुणाल 15 अक्तूबर को घर से निकला था।

कोरोना काल में बंद पड़ी ट्रेनों को चलवाए जाने की मांग की, व्यापारियों ने सांसद को सौंपा ज्ञापन

लखनऊ,(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल के पदाधिकारियों ने कुंवार को अमेठी के सांसद व सांसद प्रतिनिधि केएल शर्मा को ज्ञापन सौंपा। कोरोना काल से बंद पड़ी पैसेंजर ट्रेन चलाए जाने की मांग की। संगठन के नगर अध्यक्ष विवेक शर्मा ने बताया कि लालगंज नगर जनपद की सबसे बड़ी व्यापारिक मंडी है। इसके अलावा यहां रेल कोच फैक्ट्री और छोटे–छोटे उद्योग लगे हैं। जिससे प्रतिदिन हजारों की संख्या में यात्रियों का आना–जाना रहता है। ट्रेनों की संख्या कम होने से यात्रियों और स्थानीय व्यापारियों को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। रायबरेली से कानपुर ट्रेन संख्या 54211 और 54212 का संचालन कोरोना का हवाला देकर बंद कर दिया गया जिसका आज तक दुबारा संचालन नहीं हो सका। जनहित और व्यापारी हितों में ट्रेन चलाया जाना अति आवश्यक है। उन्होंने ट्रेन को वाराणसी से कानपुर वाया लालगंज के बीच चलाए जाने की मांग की। कहा कि इससे व्यापारियों सहित आम जनमानस को आने–जाने में काफी राहत मिलेगी।

गोवा के पूर्व सीएम ने एक देश एक चुनाव का किया समर्थन

लखनऊ,(संवाददाता)। रामलला का दर्शन करने अयोध्या पहुंचे गोवा के पूर्व मुख्यमंत्री लक्ष्मीकांत पारसेकर ने वन नेशन वन इलेक्शन का समर्थन किया है। लक्ष्मीकांत ने कहा कि वन नेशन वन इलेक्शन से समय के साथ–साथ धन भी बचेगा। केंद्र सरकार का ये अच्छा फैसला है। चुनाव के दौरान जो समय और धन की बर्बादी होती है उसकी बचत होगी।

ड्यूटी के दौरान बिगड़ी इंस्पेक्टर की तबीयत

लखनऊ,(संवाददाता)। मुख्यमंत्री सुरक्षा में तैनात इंस्पेक्टर अखिलेश कुमार उमराव (52) की अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद मौत हो गई। फतेहपुर के बिंदकी खजुआ बाबूपुर के रहने वाले अखिलेश कुमार उमराव परिवार संग आशियाना स्थित पृथ्वीनगर औरंगाबाद में रहते थे। एसीपी हजरतगंज विकास जायसवाल ने बताया कि सोमवार रात अखिलेश की ड्यूटी के दौरान अचानक हालत बिगड़ गई। उन्हें सिविल अस्पताल पहुंचाया गया, वहां से पीजीआई रेफर किया गया। वहां पहुंचने पर डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

पिता को कॉल कर युवक ने लगा लिया फंदा

लखनऊ,(संवाददाता)। पिता को कॉल करने के बाद रहीमाबाद के ससपन गांव में ननिहाल में रह रहे सोहित (22) ने बाग में फंदा लगा लिया। वह पत्नी के मायके जाने से नाराज थे और काफी समय से अवसाद के शिकार भी थे। सोहित मजदूरी करते थे। उनके पिता माल के गौरैया निवासी बंशीलाल के अनुसार सोमवार को सोहित की पत्नी सरोज दुधमुंही बच्ची के साथ मायके गहेदों जा रही थी। समझाने पर भी वह नहीं मानी तो बेटा नाराज होकर सोमवार देर शाम घर से कहीं निकल गया था। कुछ देर बाद उसने कॉल कर आत्महत्या करने की बात कही थी। पिता ने काफी समझाने का प्रयास किया, पर वह नहीं माना और कॉल काट दी।

पहले चरण में 6465 बच्चों का चयन

लखनऊ,(संवाददाता)। शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) के तहत प्राइवेट स्कूलों में सत्र 2024–25 में निशुल्क प्रवेश के लिए पहले चरण की लॉटरी मंगलवार को खुल गई। राजधानी में इस बार 7587 बच्चों के निशुल्क प्रवेश के लिए आवेदन किए गए थे, इसमें से 6465 बच्चों का चयन हो गया है। 1122 फॉर्म निरस्त हुए। बेसिक शिक्षा अधिकारी राम प्रवेश ने बताया कि आवेदन में त्रुटियों के चलते 1122 बच्चों के आवेदन निरस्त कर दिए गए हैं। इनमें कई ऐसे भी आवेदन थे जिनमे निवास के पते से दूर दूसरे ब्लॉक के स्कूल का विकल्प भरा गया था। बीएसए ने बताया कि पहले चरण में 19 दिसंबर तक आवेदन लिए गए और 23 दिसंबर तक सत्यापन हुआ। मंगलवार को परिणाम जारी किया गया।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी मे. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002

RNI NO - UPHIN/2022/86937

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार-पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।